वर्ष-14, अंक-271
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
पेज-04
CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
इंदौर, गुरुवार 04 जनवरी 2024

आज का विचार

जिनके अकेले चलने के हौसले होते है, एक दिन उनके पीछे ही काफिले होते है।

सिंगल कॉलम

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों में मुठभेड़

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के हादीगाम गांव में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ चल रही है। बुधवार रात से शुरू हुआ एनकाउंटर गुरुवार सुबह तक जारी है। अभी तक किसी के भी मारे जाने की खबर नहीं है। सुरक्षाबलों को हादीगाम गांव आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसी दौरान छिपे आतंकियों ने जवानों पर फायरिंग की। इसके बाद से ही एनकाउंटर जारी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स और आर्मी मौजूद है। सुरक्षाबलों ने इलाकों की घेराबंदी कर ली है। किसी को भी आने-जाने की अनुमति नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2-3 आतंकी के छिपे होने की सूचना है। हालांकि आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में गुरुवार (21 दिसंबर) को आतंकवादियों ने सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर हमला किया था। दोपहर करीब 3:45 बजे हुए हमले में पहले तीन जवान शहीद होने की खबर आई थी। बाद में ये आंकड़ा बढ़कर 5 हो गया था। इस हमले के बाद सेना ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान अगले दिन 3 सिविलियन्स की लाश सेना को मिली।

ड्रामा करने और विक्टम कार्ड खेलने के लिए ऑस्कर केजरीवाल और उनकी पार्टी को मिलना चाहिए: शहजाद पूनावाला

दिल्ली, भारत। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को श्वष्ठ द्वारा भेजे गए समन पर भाजपा नेताओं की बयानबाजी लगातार जारी है। इस बीच अब आज गुरुवार को भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने अपना बयान देकर अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। वहीं, बुधवार (3 जनवरी) के आम आमदी पार्टी के नेताओं ने दावा किया कि आज (4 जनवरी) को सीएम केजरीवाल गिरफ्तार हो सकते हैं। दरअसल, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को श्वष्ठ द्वारा भेजे गए समन पर तीसरी बार भी पेश नहीं हुए। ऐसे में भाजपा का हमलावर जारी है। अब आज भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने अपने बयान में यह कहा, आज अरविंद केजरीवाल न सिर्फ भगोड़े नंबर-1 और भ्रष्टाचारी नंबर-1 हैं, बल्कि उनकी पार्टी ड्रामेबाज नंबर-1 है। अगर किसी को ड्रामा करने और विक्टम कार्ड खेलने के लिए ऑस्कर मिलना चाहिए तो अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी को मिलना चाहिए। बता दें कि, दिल्ली अबाकारी घोटाले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समन पर तीसरी बार भी सीएम अरविंद केजरीवाल पेश नहीं हुए। तो वहीं, बुधवार (3 जनवरी) के आम आदमी पार्टी के नेताओं ने दावा किया कि, आज (4 जनवरी) को सीएम केजरीवाल गिरफ्तार हो सकते हैं।

कांग्रेस में शामिल हुईं जगन मोहन रेड्डी की बहन वायएस शर्मिला

एजेंसी, नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले देश में सियासी हलचल तेज होती जा रही है। ताजा खबर यह है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की बहन वायएस शर्मिला गुरुवार को कांग्रेस में शामिल हो गईं। दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। अब उनकी पार्टी ङ्कस्ह्लक्क का कांग्रेस में विलय कर दिया जाएगा। मैं आज कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर बहुत खुश हूं। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का कांग्रेस पार्टी में विलय कर रही हूं। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना मेरे पिता का सपना था और मैं इस दिशा में काम करूंगी।

अरविंद केजरीवाल को सताया गिरफ्तारी का डर

कहा-मुझे अरेस्ट करने की साजिश, ईडी के सारे समन गैरकानूनी

नई दिल्ली: दिल्ली शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भेजे गए समन को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस किया. इस दौरान उन्होंने ईडी द्वारा भेजे गए अब तक तीनों समन को गैरकानूनी बताते हुए कहा कि अब तक एक भी भ्रष्टाचार नहीं हुआ है और अबतक एक भी सबूत नहीं मिले हैं. साथ ही अरविंद केजरीवाल ने यह भी कहा कि मुझे गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है, किसी को भी इस मामले में गिरफ्तार किया जा रहा है. अरविंद केजरीवाल ने सवाल पूछते हुए कहा कि अगर घोटाला हुआ है तो पैसा कहां है? प्रेस कांफ्रेंस में अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'खुलेआम गुंडागर्दी चल रही है. किसी को भी पकड़कर जेल डाल दो. मेरी सबसे बड़ी ताकत ईमानदारी है. ये झूठे केस लगाकर मेरी ईमानदारी पर चोट करना चाहते हैं. मेरे वकील ने बताया कि ये सभी समन गैरकानूनी है. ये गैरकानूनी क्यों है, इनका जवाब मैंने ईडी को दिए हैं, अगर ये सही समन भेजते हैं, तो मैं जांच में सहयोग करूंगा.' इसके अलावा उन्होंने कहा, 'बीजेपी का मकसद सही जांच करना नहीं है, बल्कि लोकसभा चुनाव में मुझे प्रचार करने से रोकना है. इनका मकसद है कि मुझे पूछताछ के बहाने बुला लो और गिरफ्तार कर लो. ताकि मैं लोकसभा में चुनाव प्रचार ना कर पाऊं.' प्रेस कांफ्रेंस में अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'सीबीआई ने मुझे 8 महीने पहले बुलाया था।

जम्मू-कश्मीर: कुपवाड़ा में दार गली बस स्टैंड पर लगी भीषण आग

जम्मू-कश्मीर, भारत। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में भीषण आग की घटना सामने आई है कि, यहं दार गली बस स्टैंड पर भीषण आग लग गई है।

आग की घटना में कोई हताहत नहीं = कुपवाड़ा में दार गली बस स्टैंड पर भीषण आग की घटना के तुरंत बाद इसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया।

आग की घटना में कोई हताहत नहीं = इस दौरान दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया। फिलहाल आग की घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने की कारण क्या है, फिलहाल इस बारे में अभी कुछ पता नहीं चला है।

हादसे में करीब दो दर्जन दुकानें नष्ट = मिली जानकारी के अनुसार, कुपवाड़ा में दार गली बस स्टैंड पर भीषण आग लगने से हुए इस हादसे में करीब दो दर्जन दुकानें नष्ट हो गई है। घटना में बारे में अधिक जानकारी की प्रतिक्षा है। बता दें कि, जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के हादीगाम इलाके में भारतीय सेना और सीआरपीएफ द्वारा आतंकियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। यहां आतंकियों और सुरक्षबलों के बीच एनकाउंटर चल रहा है। इस बारे में जम्मू कश्मीर जोन पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिये जानकारी दी है।

नेता जितेंद्र आव्हाड का विवादित बयान से अयोध्या में बवाल...

अयोध्या के द्रष्टा परमहंस आचार्य ने कहा, अगर जितेंद्र आव्हाड के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की तो

मैं जितेंद्र आव्हाड को मार डालूंगा...

शरद पवार गुट के नेता जीतेंद्र आव्हाड के विवादित बयान ने हल चल तेज कर दी है। जीतेंद्र आव्हाड के राम को लेकर दिए विवादित बयान से उनकी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। विवादित बयान के बाद भजपा ने उन पर जमकर हमला बोला इसके बाद अब जीतेंद्र आव्हाड को अयोध्या के द्रष्टा परमहंस आचार्य ने चेतावनी भी दे दी है। अयोध्या के परमहंस आचार्य ने मीडिया के सामने नेता जीतेन्द्र को जान से मारने की धमकी दी है।

एनसीपी शरद पवार गुट के नेता जीतेंद्र आव्हाड के बयान पर अयोध्या के द्रष्टा परमहंस आचार्य ने कहा, जितेंद्र आव्हाड द्वारा दिया गया बयान अपमानजनक है और भगवान राम भक्तों की भावना को ठेस पहुंचाता है। मैं महाराष्ट्र और केंद्र सरकार से आग्रह करूंगा कि वे इस पर कार्रवाई करें। भगवान राम के बारे में गलत बोलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, अगर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो मैं जितेंद्र आव्हाड को मार डालूंगा, मैं चेतावनी दे रहा हूं।

ऐसे झूठे व्यक्ति को हमारे भगवान राम का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं - मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास
एनसीपी शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड के बयान पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा, एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड जो बोल रहे हैं वह पूरी तरह से झूठ है। हमारे धर्मग्रंथों में कहीं भी नहीं लिखा है कि भगवान राम के पास कुछ नहीं था। लिखा है कि उनके वनवास के दौरान शाकाहारी भोजन, फल खाते थे। ऐसे झूठे व्यक्ति को हमारे भगवान राम का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है। हमारे भगवान हमेशा शाकाहारी थे, वह हमारे भगवान राम का अपमान करने के लिए अपमानजनक शब्द बोल रहे हैं।

जितेंद्र आव्हाड का विवादित बयान: बीते दिन बुधवार को नेता जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि, राम हमारे हैं, बहुजन के हैं। राम शिकार करके खाते थे। आप चाहते हैं कि हम शाकाहारी बन जाएं, लेकिन हम राम को अपना आदर्श मानते है वह शाकाहारी नहीं बल्कि मांसाहारी थे। 14 साल तक जंगल में रहने वाला व्यक्ति शाकाहारी भोजन की तलाश में कहां जाएगा? ये सही या गलत? मैं हमेशा सही कहता हूं।

न्याय संहिता लागू होने से 82 हजार कैदी रिहा होंगे

कम गंभीर अपराधों में मिलेगी राहत जमानत के पैसे नहीं तो सरकार भरेगी

ब्रिटिश काल के दौर से चले आ रहे इंडियन पीनल कोड की जगह बनाई गई भारतीय न्याय संहिता इसी महीने गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी से पहले लागू करने की तैयारी है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही कम गंभीर अपराधों के तहत जेल में बंद करीब 82 हजार कैदियों की रिहाई प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इनके होली से पहले जेल से बाहर आने की संभावना है। गृह मंत्रालय के सीनियर अधिकारी का कहना है कि अंडर ट्रायल कैदियों की रिहाई प्रक्रिया शुरू करने के लिए ट्रेनर जेल अधिकारियों, पुलिस बल और वकीलों को ट्रेनिंग देंगे। 3000 ट्रेनरों की ट्रेनिंग हो चुकी है। अब ये ही बाकी लोगों को नए कानून के हिसाब से ट्रेंड करेंगे। जिन कैदियों के पास जमानत के पैसे नहीं होंगे, उनके लिए सरकार ने विशेष फंड की व्यवस्था की है। केंद्र और राज्य सरकार ऐसे कैदियों की जमानत राशि जमा कराएंगी। गृह मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि देश की जेलों में साढ़े पांच लाख कैदी हैं। कैदियों की कुल संख्या में करीब आधे गैर संगीन अपराधों के कैदी हैं। गैर संगीन अपराध के अंडर ट्रायल वालों की संख्या 2 लाख है। इनमें ज्यादातर तो अधिकतम सजा से ज्यादा समय से जेल में बंद हैं।

भगवान राम को मांसाहारी बताने वाले बयान पर जितेंद्र आव्हाड ने मांगी माफी

अयोध्या। एक तरफ जहां अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनने और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का पूरे देश में उत्साह है, वहीं विवादित बयानबाजी और राजनीति भी जारी है। ताजा खबर महाराष्ट्र से है। एनसीपी-शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड को अपने उस बयान पर माफी मांगना पड़ी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भगवान राम शाकाहारी नहीं थे, वह मांसाहारी थे। 14 साल तक जंगल में रहने वाला व्यक्ति शाकाहारी भोजन खोजने के लिए कहां जाएगा। क्या यह सही है या नहीं? महाराष्ट्र के शिरडी में आयोजित एक कार्यक्रम आव्हाड ने यह बात कही थी। इस बयान के बाद भारी बवाल मच गया। भाजपा ने आव्हाड के खिलाफ मुंबई में FIR दर्ज करवाई। भाजपा नेता राम कदम ने यह शिकायत की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कानून व्यवस्था की समीक्षा में प्रभावी. आदतन अपराधियों पर शिकंजा कसने के दिए निर्देश

थानों की सीमाएं होंगी निर्धारित, 15 जनवरी तक प्रक्रियाएं पूर्ण करने के निर्देश

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को जबलपुर में संभागस्तरीय कानून व्यवस्थाओं की समीक्षाकी। इस अवसर पर उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि जिलों में पुलिस थानों की सीमाओं का निर्धारण 15 जनवरी तक पूरा कर लिया जाए। इसके लिए एसडीएम स्तर पर सभी जनप्रतिनिधियों की बैठक में विचार-विमर्श कर थानों की सीमाओं के प्रारंभिक निर्धारण के बाद दावे-आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा। इस प्रकार 15 जनवरी तक सीमा निर्धारण संबंधी सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में कहा कि प्रभावी और आदतन गुंडे और बदमाशों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन पर शिकंजा कसा जाना ज्यादा आवश्यक है। जिससे निचले स्तर तक यह संदेश पहुंचे कि प्रशासन द्वारा आपराधिक कृत्यों में लिप्त किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि आदतन अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कानून व नियम का उद्देश्य भी यही है। उन्होंने कहा कि खुले में मांस मछली के विक्रय पर सख्ती से प्रतिबंध लगाएं। खुले में इसका व्यवसाय नही हो, इसके विक्रेताओं को जब तक पक्का निर्माण नहीं हो जाता तब तक अभी फिलहाल शेड युक्त मार्केट बना कर दिया जाय और समुचित स्थान उपलब्ध कराए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेलों में सजा पूरी कर लेने वाले बंदियों के मानवीय पहलुओं पर विचार करते हुए जिला जेल और पुलिस बल मिलकर योजना बनाएं। उन्होंने जिलों में ओपन जेल बनाने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर जिले में पुलिस का बैंड होना चाहिए, जिससे राष्ट्रीय पर्वों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शासकीय बैंड का उपयोग हो, इसके लिए जिन जिलों में बैंड दल नहीं है, वहां एसएएफ की कंपनियों और पुलिस बल में नई भर्ती के जवानो को प्रशिक्षण देकर पुलिस बैंड दल बनाया जाए। इसके अलावा पुलिस द्वारा पूर्व में जिलों में प्रारंभ हुई लर्निंग कक्षाओं के संबंध में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि इस तरह सेवा और साख बढ़ाने का बेहतर काम करने वालों को सम्मानित और पुरस्कृत किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग में हाल ही में हुई पदोन्नतियों के संबंध में कहा कि पदोन्नति पाने से छूट गये पात्र और योग्य प्रमोटी पुलिस कर्मियों की भी पदोन्नति की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्धारित आवाज की सीमा के भीतर ही लाउडस्पीकर चलें। उन्होंने डीजे सहित अधिक आवाज करने वाले यंत्रों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिये। इसके अलावा कलेक्टर, एसपी स्थायी और अस्थायी लाऊड स्पीकर के मामलें को गंभीरता से लें। अस्थायी तौर पर विभिन्न आयोजनों के लिए अनुमति का प्रावधान है। कलेक्टर्स इस पर विशेष निगरानी रखें।

2773 स्थानों से स्पीकर हटाये, 218 की जमानत निरस्त

इसके पहले कानून व्यवस्था के सम्बंध में जबलपुर और बालाघाट रेंज की कार्रवाई के संबंध में बताया गया कि जबलपुर और बालाघाट रेंज को मिलाकर कुल 218 की जमानत निरस्त की गई है। साथ ही 2773 स्पीकर हटाये गए है। इस मसले पर सीएम डॉ. यादव ने निर्धारित आवाजों में स्पीकर संचालन और अधिक आवाज वाले यंत्रों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिये।

सिंगल कॉलम

ग्रामीणों के होलकरकालीन तालाब को सहेजा, लहलहाने लगी फसलें, भूजल स्तर भी बढ़ा

जल है तो कल है, इस ध्येय वाक्य को इंदौर की सांवेर तहसील के राजौदा गांव के लोग बहुत अच्छे से समझते है। यही वजह है कि विगत वर्षों से वो अपने क्षेत्र के तालाब व पर्यावरण को सहेजने के लिए विशेष काम कर रहे है। राजौदा गांव में होलरकालीन ब्रजधाम सरोवर चार साल पहले तक अनदेखी का शिकार था। 10 हेक्टेयर में बने इस तालाब में पानी महज छह से सात हेक्टेयर में ही भर पाता था।बारिश में तालाब पूर्ण क्षमता से नहीं भरता था और वर्षा का पानी भी बह जाता था। इसके कारण स्थिति यह थी कि आसपास के ट्यूबवेल का भूजल स्तर 350 फीट से नीचे पहुंच गया था। वर्ष 2021 में राजौदा के ग्रामीणों ने तालाब के विकास का संकल्प लिया। इसके विकास के लिए उन्होंने शासन की योजनाओं से राशि जुटाई और 148 किसानों ने अपने श्रम से इस तालाब को सहेजा।तालाब गहरीकरण में किसानों ने अपने खर्च से मिट्टी निकाली और खेतों में डलवाई। तालाब के जीर्णोद्धार पर करीब 14 लाख रुपये खर्च हुए और मनरेगा योजना के तहत 11 लाख रुपये से तालाब की पाज (वेस्ट वियर) का निर्माण किया गया है। इसका फायदा यह हुआ कि अब तालाब पूर्ण क्षमता से भरने लगा और आसपास के ट्यूबवेल का भूजल स्तभी बढ़ा और 150 फीट पर पानी मिलने लगा। तालाब में पानी की संग्रहण क्षमता बढ़ने के साथ इसमें मछली पालन भी किया जा रहा है। ईको पर्यटन का बना केंद्र और बगीचा भी तैयार करने की योजना जनपद पंचायत सांवेर के सहायक यंत्री जयेन्द्र दुबे के मुताबिक राजौदा गांव के लोगों ने तालाब के संवर्धन में अपना अहम योगदान दिया। यही वजह है कि अब वर्षभर तालाब में पानी रहता है और इसके कारण आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर बढ़ा है। यही नहीं तालाब के पानी से आसपास की 35 से 40 हेक्टेयर में सिंचाई भी होती है। पास में बनी गोशाला के पशुओं को तालाब का पानी दिया जाता है। 15 अगस्त व 26 जनवरी के मौके पर यहां ध्वजारोहण के साथ तालाब संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम ग्राम पंचायत द्वारा आयोजित किया जाता है। वर्षाकाल में जब तालाब का पानी ओवरफ्लो होता है तो ग्रामीण यहां घूमने आते है और इस तरह यहां ईको पर्यटन का केंद्र भी विकसित हो रहा है। ग्राम पंचायत द्वारा अब यहां पर बगीचा विकसित करने की भी योजना बनाई जा रही है।

संत सम्मेलन में स्वामी परमानंद ने कहा- जीवन शैली बदलो, स्वप्न बदल जाएंगे

दुनिया में कोई काम कठिन नहीं है, जो तुमसे नहीं हो सकता। चाह कठिन है, हम मन से तैयार नहीं होते। हमें जो चाहिए हम वो ही देखते हैं। किसी को स्वप्न में गुरु दिखते हैं, किसी को धन सम्पदा दिखती है, कई सांसारिक सुख भोगते हैं। हमें स्वप्न नहीं बदलना है, जीवन बदलना है, जीवन बदलेंगे स्वप्न अपने आप बदलने लगेंगे।यह बात महामंडलेश्वर युगपुरुष स्वामी परमानंद जी महाराज ने चारधाम मंदिर अखंड आश्रम में आयोजित विराट संत सम्मेलन के शुभारंभ पर अध्यक्षीय उद्बोधन में कही। उन्होंने कहा कि आपके मन में यदि कोई प्रश्न है, तो अगले दिन में मुझसे पूछ सकते हैं। मैं आपकी जिज्ञासा का समाधान करने की पूरी कोशिश करूंगा। हमारे गुरुदेव कहा करते थे कि गुरु ऐसा होना चाहिए, जो अपने शिष्य के उद्धार में अपनी पूरी शक्ति लगा दे।

उन?होंने कहा कि आजकल लोग गुरु की बात कम सुनते हैं, लोगों की ज्यादा सुन लेते हैं। इससे संशय उत्पन्न होता है। जीवन में समाधान केवल गुरु ही दे सकता है। स्वामी परमानंद जी, स्वामी शांतिस्वरूपानंद जी, स्वामी ज्योर्तिमयानंद गिरि जी, स्वागताध्यक्ष महावीर प्रसाद मानसिंगा जी सहित संतों ने दादागुरु के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। इन्होंने भी किया संबोधित चारधाम मंदिर पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी शांति स्वरूपानंद गिरि महाराज ने सभी संतों का परिचय कराया। सम्मेलन को स्वामी महामंडलेश्वर अनंतदेव गिरि जी महाराज (वामनदेव ज्योर्तिमठ, वृंदावन), महामंडलेश्वर स्वामी जगत प्रकाश जी महाराज (चित्रकूट), परम पूज्य स्वामी महेशानंद जी (हरिद्वार), महामंडलेश्वर दिव्यचेतना दीदी (हरिद्वार श्रीस्वामी वेदानंद जी महाराज (वृंदावन), स्वामी सत्यश्रेयगिरि जी महाराज (वृंदावन), साध्वी चैतन्य सिंघु जी (इंदौर), साध्वी साक्षी जी (ओंकारेश्वर), महामंडलेश्वर स्वामी ज्योर्तिमयानंद गिरि जी महाराज (हरिद्वार) ने भी संबोधित किया। स्वागत भाषण कार्यक्रम अध्यक्ष विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने दिया। संचालन कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष अशोक प्रजापत और कमलेश पंचोली ने किया। मीडिया प्रभारी राजेश करे व चारधाम आश्रम प्रबंधक रामलखन शर्मा ने बताया कि संत सम्मेलन के द्वितीय दिवस गुरुवार को दो सत्र होंगे, जिसमें संतों के प्रवचन तथा भक्तों का प्रश्नोत्तरीय कार्यक्रम होगा।

इंदौर में रणजीत अष्टमी पर गुरुवार सुबह 5 बजे से निकली प्रभात फेरी

पांच किलोमीटर मार्ग हुआ भगवामय

सिटी चीफ,इंदौर।

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। इससे 18 दिन पहले ब्रह्ममुहूर्त में अहिल्या की नगरी के पश्चिम क्षेत्र का पांच किलोमीटर लंबा मार्ग राममयी होगा। हर तरफ प्रभु श्रीराम नजर आएंगे। इसके लिए खास तैयारी की गई है। चार दिनी रणजीत अष्टमी महोत्सव के समापन पर प्रभात फेरी 4 जनवरी को सुबह 5 बजे निकलेगी। जहां इसमें प्रमुख आकर्षण का केंद्र अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की वृहद प्रतिकृति होगी। 40 फीट लंबी, 15 फीट चौड़ी और 21 फीट उंचाई है। साथ ही हजार श्रद्धालु भगवा रंग धारण किए जय श्रीराम का जयघोष लगाते चलेंगे। साथ ही 125 स्वागत मंचों लगाए जाएंगे। हर स्वागत मंच पर प्रभु श्रीराम के दर्शन होंगे। मार्ग को भगवा ध्वजाओं से सजाए गया है।2 हजार सदस्य संभालेंगे प्रभात फेरी की व्यवस्था प्रभात फेरी की व्यवस्था निस्वार्थ भाव से जुड़े रणजीत भक्त मंडल के 2 हजार सदस्य संभालेंगे। हालांकि मंडल में 22 हजार रजिस्टर्ड सदस्यी है। इस भक्त मंडल की खासियत है कि इसमें कोई पदाधिकारी नहीं बल्कि सभी समान रणजीत बाबा के भक्त हैं। मुख्य पुजारी पं. दीपेश व्यास ने बताया कि अयोध्या में भगवान राम की प्रतिष्ठा का अवसर हर सनातनी के लिए खास है। इसके चलते इस बार रणजीत अष्टमी महोत्सव को भगवान श्रीराम को समर्पित किया है। प्रभातफेरी रणजीत हनुमान मंदिर, महूनाका चौराहा, द्रविड नगर, महू नाका चौराहा से घूमकर अन्नपूर्णा मंदिर रोड पर पहुंचेगी। इसके बाद नरेंद्र तिवारी मार्ग से होते हुए पुनः मंदिर पर पहुंचेगी। भ्रमण में 5 से 6 घंटे का समय लगता है। बंगाल के 10 कलाकारों ने एक माह में किया तैयार अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर की विशाल प्रतिकृति का निर्माण बंगाल के 10 कलाकारों द्वारा एक माह में की गई है। इसका निर्माण लोहा, लकड़ी, कपड़ा, थर्माकोल से किया गया है। इसे डिजाइनर जाली और रंगों से सजाया गया। यह प्रतिकृति 16 पहिए वाली गाड़ी पर रखकर झांकी की तरह प्रभातफेरी में शामिल की जाएगी। प्रभातफेरी रणजीत हनुमान मंदिर से आरंभ होकर महू नाका, अन्नपूर्णा माता मंदिर, नरेंद्र तिवारी मार्ग होते हुए मंदिर पहुंचकर संपन्न होगी। प्राचीन मंदिर की 137 साल पुरानी परंपरा रणजीत हनुमान मंदिर से प्रभातफेरी निकालने की परंपरा 137 साल पुरानी है जो आज भी जारी है। इसकी शुरुआत पं. भोलाराम व्यास ने की थी। उस समय हाथ में रणजीत हनुमान की तस्वीर लेकर मंदिर परिसर में पैदल सात परिक्रमा लगाई जाती थी। इसके बाद प्रभातफेरी ठेला गाड़ी पर निकाली जाने लगी। 2012 के बाद प्रभातफेरी के स्वरूप वृहद हुआ और बाबा को बग्घि में बैठाकर घूमाया जाने लगा। 2014 में बाबा का विग्रह तैयार कर स्वर्ण रथ पर प्रभातफेरी निकाली जाने लगी। प्रभातफेरी में 75 हजार से अधिक भक्त शामिल होते हैं। 51 हजार रक्षासूत्र किए अभिमंत्रित रणजीत अष्टमी महोत्सव में बुधवार को 51 हजार रक्षासूत्रों को अभिमंत्रित किया गयाा। इन रक्षा सूत्र को निश्शुल्क वितरित किया गया। इससे पहले सुबह रणजीत बाबा के उत्सव विग्रह का महाभिषेक किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

इंदौर में मावठा गिरने के बाद बढ़ा सर्दी का असर

सिटी चीफ,इंदौर।

मावठा गिरने के बाद बुधवार से शहर में ठिठुरन बढ़ गई। इस सीजन में पहली बार शहरवासियों को सर्दी का अहसास हुआ। मंगलवार रात एक बजे वर्षा के बाद शहर में न्यूनतम दृश्यता 200 मीटर तक पहुंची। वही, बुधवार सुबह 5.30 बजे भी कोहरे का असर रहा और न्यूनतम दृश्यता 900 मीटर दर्ज की गई। दिन में उत्तरी व उत्तर-पूर्वी हवाएं 12 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चली। हालांकि सुबह 10 बजे बाद बादल छंटे और धूप भी खिली।गौरतलब है कि मंगलवार रात करीब एक बजे बाद शहर में बादल छाए और तेज बौछारे पड़ी। मंगलवार रात को सांवेर तहसील में 15.6 मिमी, महू में 10 मिमी, देवास जिले के टोंकखुर्द में 14 मिमी व एयरपोर्ट स्थित मौसम केंद्र पर बुधवार सुबह 8.30 बजे तक 3.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई। इस मानसून सीजन में सर्दियों के मौसम में पहली बार वर्षा हुई। भोपाल स्थित मौसम विज्ञानियों के मुताबिक द्रोणिका मध्य उप्रच से दक्षिण पश्चिमी मप्र तक है। इसके कारण अरब सागर से नमी आ रही है। यही वजह है कि इंदौर में मंगलवार रात को वर्षा हुई। बादलों के कारण बुधवार को न्यूनतम तापमान में इजाफा देखने को मिला। न्यूनतम तापमान सामान्य से छह डिग्री अधिक 15.6 डिग्री दर्ज किया गया। दिन का अधिकतम तापमान 25.2 डिग्री दर्ज किया गया जोकि सामान्य था। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के मौसम विज्ञानियों के मुताबिक गुरुवार को दिन व रात के तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट होगी। गुरुवार सुबह कोहरा भी छाएगा और दोपहर में धूप भी खिलेगी। 8-9 जनवरी को वर्षा के आसार उत्तर भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ सात जनवरी को सक्रिय होगा। इसके अलावा अरब सागर में चक्रवाती हवाओं का घेरा बना हुआ है। यह ऊपर की ओर बढ़कर गुजरात के आसपास आगामी दिनों में पहुंचेगा। इसके असर से अरब सागर से नमी इंदौर की ओर आएगी। इस वजह से 8 व 9 जनवरी को इंदौर सहित पश्चिमी मप्र में फिर बादल और कोहरे के साथ वर्षा के आसार है।

अयोध्या में रामलला की प्रतिष्ठा में इंदौर से 20 और मालवा प्रांत से जाएंगे 120 विशिष्टजन

सिटी चीफ,इंदौर।

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने वाली है। इसमें छह हजार विशिष्टजन शामिल होंगे। विश्व हिंदू परिषद द्वारा वितरित किए जा रहे आमंत्रितों की सूची में इंदौर के 20 और मालवा प्रांत में आने वाले इंदौर-उज्जैन संभांग के 120 लोगों के नाम शामिल हैं।इंदौर की सूची में 17 संतों के नाम हैं, जबकि विनोद अग्रवाल, केडी माहेश्वरी और संदीप जैन सहित तीन उद्योगपतियों के नाम हैं। संतों की सूची में लक्ष्मी-वेंकटेश देवस्थान के नागोरिया पीठाधीश स्वामी विष्णुप्रपन्नाचार्य, अखंडधाम से स्वामी डा. चेतनस्वरूप, गजासीन शनि मंदिर से महामंडलेश्वर दादू महाराज, राम मंदिर पंचकुइया से रामगोपालदास महाराज, श्रीविद्याधाम से चिन्मयानंद महाराज, राधे-राधे बाबा के नाम हैं। विश्व हिंदू परिषद के विभाग संगठन मंत्री अभिषेक उदेनिया ने बताया कि आमंत्रण पत्र पहुंचाए जा रहे हैं। स्वामी डा. चेतनस्वरूप महाराज ने कहा कि निमंत्रण मिल चुका है। यहां से 19 को रवाना होंगे। भगवान की प्रतिष्ठा में शामिल हो रहे हैं, यह हम सबके लिए प्रसन्नता की बात है। प्रतिष्ठा का यह समय 500 साल में आया है। इसके लिए हजारों लोगों ने संघर्ष किया। जिन्हें आमंत्रण पत्र मिला, वे सौभाग्यशाली हैं कि प्रभु को प्रतिष्ठित होते देख पा रहे हैं। इन्हें शब्दों में बता पाना मुश्किल है। राधे-राधे बाबा ने कहा कि प्रतिष्ठित रामलला को देखने का सौभाग्य मिलेगा। मुझे भूमिपूजन में भी शामिल होने का अवसर मिला था, जिसमें 175 संत शामिल हुए थे। प्रतिष्ठा के दिन सभी उत्सव मनाएं।

नीमच में 150 करोड़ की लागत से स्थापित होगी देश की पहली सेमी रिफाइंड मार्फीन उत्पादन इकाई

सिटी चीफ,इंदौर।

अफीम उत्पादन के लिए प्रसिद्ध प्रदेश के नीमच जिले में 150 करोड़ रुपए की लागत से सेमी रिफाइंड मार्फीन उत्पादन इकाई स्थापित होगी। मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम ने इसके लिए 18 हेक्टेयर जमीन सनलाइट एल्कोलाइड कंपनी को जिले की जावद तहसील में सौंपी है। यह देश में अपनी तरह का पहला ऐसा प्लांट होगा जिसमें जिसमें अफीम के पूरे फल का उपयोग किया जा सकेगा। वर्तमान में अपशिष्ट निकालने के बाद बचे फल को कृषि उत्पाद की तरह जलाया जाता है। इसका खर्च सरकार को वहन करना होता है। फल को नष्ट करने के दौरान इसका चोरी-छुपे परिवहन भी होता है। कई राज्यों में इस फल का पाउडर नशे की तरह इस्तेमाल होता है।अब नई प्रक्रिया से अफीम की गुणवत्ता और प्रति पौधा इसकी मात्रा में भी वृद्धि होगी। इसका लाभ क्षेत्र के दस हजार अफीम उत्पादक किसानों को भी मिलेगा। केंद्र सरकार द्वारा इस प्रोजेक्ट की अनुमति प्राप्त होने के बाद इस पर काम शुरू किया जा रहा है। इसकी वार्षिक क्षमता 10 हजार मीट्रिक टन सालाना है। फैक्ट्री में 250 लोगों को प्रत्यक्ष और एक हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। 10 हजार से अधिक किसानों को मिलेगा फायदा सनलाइट एल्कोलाइड द्वारा लगाई जाने वाली फैक्ट्री में किसान से अफीम के पूरे फल को खरीदा जाएगा और उसकी प्रोसेसिंग कर सेमी रिफाइंड मारफीन निकाला जाएगा। इससे उत्पाद की गुणवत्ता और प्रत्येक पौधे से होने वाली उपज की मात्रा में वृद्धि होगी। इस तरह नीमच व मंदसौर क्षेत्र के 10 हजार से अधिक किसानों को मुनाफा मिलेगा। इस प्रोजेक्ट को भारत सरकार के चीफ कंट्रोलर आफ फैक्ट्रीज आपियम एंड अल्कालाइड, नई दिल्ली से स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इस फैक्ट्री के उत्पादन से मारफीन एंव संबंधि उत्पादों की बढ़ोतरी होगी और इस क्षेत्र में देश आत्मनिर्भर बनेगां देश में मार्फीन की मांग की पूर्ति इस प्रोजेक्ट से हो सकेगी। मार्फीन(अफीम के सत्व) का उपयोग -एनेस्थिया में उपयोग होने वाली दवा निर्माण में - आग से झुलसने वाले व्यक्ति के दर्द निवारक दवा के रुप में -खांसी के सिरप के निर्माण में फैक्ट्री लगने से उत्पादन बढ़ेगा

इंदौर शहर में वर्ष 1910 में भी थी घर-घर कचरा कलेक्शन व्यवस्था

सिटी चीफ,इंदौर।

इंदौर की स्वच्छता का लोहा आज ही नहीं बल्कि कई दशक पहले से देशभर में माना जाता है। इंदौर मैथड आफ वेस्ट डिस्पोजल की चर्चा पूरे देश में होती थी। महात्मा गांधी स्वयं इसे देखने इंदौर आए थे। वर्ष 1910 में भी शहर में घर-घर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था लागू थी। आज गूंजने वाला स्वच्छ इंदौर, स्वस्थ इंदौर का नारा पहली बार वर्ष 1957 में सामने आया था।यह दिलचस्प जानकारियां सामने आई हैं इंदौर की स्वच्छता को लेकर हुए अपनी तरह के पहले शोध में। यह शोध शोधार्थी जितेंद्र जाखेटिया ने किया। शोध में इंदौर की स्वच्छता के 223 वर्षों के इतिहास को खंगाला गया है। शोध से यह जानकारी सामने आई है कि वर्ष 1900 में इंदौर में इंदौर मेथर्ड आफ वेस्ट डिस्पोजल के तहत देवगुराडिया क्षेत्र में विशेष व्यवस्था की गई थी। इसके तहत 31 गहरे और बड़े गड्ढे खोदे गए थे। प्रत्येक दिन के लिए एक गड्ढा नियत था। अर्थदंड की भी व्यवस्था थी शहर में रोज शहरभर से कचरा और मल

जमाकर इन गड्ढों में दो परतों में डाल दिया जाता था। इसके एक माह बाद गड्ढे से इसे जैविक खाद के रूप में बाहर निकाल कर इस्तेमाल किया जाता था। शोध में यह बात भी सामने आई है कि वर्ष 1913 में इंदौर में सड़क पर कचरा फेंकने वालों पर अर्थदंड लगाने की व्यवस्था लागू की गई थी। देवगुराडिया ट्रेंचिंग ग्राउंड वर्ष 1970 में अस्तित्व में आया। इसके पहले इंदौर शहर में पंचकुइया, जूनी इंदौर और बाणगंगा क्षेत्र में ट्रेंचिंग ग्राउंड हुआ करते थे।

रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी में चाकूबाजी

गला कटने से एक युवक की मौत

इंदौर। रणजीत अष्टमी पर रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी में गुरुवार सुबह युवकों के गुट भीड़ गए। चाकूबाजी में एक युवक की मौत हो गई। एक युवक घायल हुआ है। हमलावरों के बारे में जानकारी नहीं मिली है। विवाद धक्का-मुक्की को लेकर हुआ था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज निकाल रही है।घटना गुरुवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे महूनाका की बताई जा रही है। गोमा की फेल निवासी शुभम नरेंद्र रघुवंशी दोस्तों के साथ बाबा रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी देखने गया था। बताते हैं फेरी अन्नपूर्णा वाले रास्ते की तरफ जा रही थी तो धक्का-मुक्की को लेकर विवाद हो गया। चाकू लेकर आए एक बदमाश ने शुभम के गले में चाकू मार दिया। उसका साथी कृष्णा भी घायल हुआ। साथी शुभम को अस्पताल ले गए लेकिन शुभम की मौत हो गई।

पांच किलोमीटर लंबा मार्ग हुआ राममयी, नजर आया अयोध्या में बना रामलला का मंदिर

सिटी चीफ,इंदौर।

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। इससे 18 दिन पहले ब्रह्ममुहूर्त में अहिल्या की नगरी के पश्चिम क्षेत्र का पांच किलोमीटर लंबा मार्ग राममयी नजर आया। रणजीत अष्टमी पर रणजीत हनुमान मंदिर से निकली प्रभातफेरी में हर तरफ भगवा ही नजर आया। सुबह पांच बजे निकली इस प्रभातफेरी को महूनाका पहुंचने में करीब तीन घंटे लगे। हर तरफ सिहंस्थ सा नजारा दिखाई दिया।हर तरफ जय श्रीराम और जय रणजीत के नारे लगते रहे। हर तरफ प्रभु श्रीराम नजर आए। इसके लिए खास तैयारी की गई थी, जहां इसमें प्रमुख आकर्षण का केंद्र अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की वृहद प्रतिकृति रही। 40 फीट लंबी, 15 फीट चौड़ी और 21 फीट ऊंचाई है। प्रभातफेरी के लिए 125 स्वागत मंच लगाए गए थे और हर स्वागत मंच पर प्रभु श्रीराम के दर्शन हुए। पूरा मार्ग भगवा ध्वजों से सजाया गया था। इसी के साथ चार दिनी रणजीत अष्टमी महोत्सव का समापन भी हो गया। इसकी व्यवस्था निस्वार्थ भाव से जुड़े रणजीत भक्त मंडल के 2 हजार सदस्यों ने संभाली। मंडल में 22 हजार रजिस्टर्ड सदस्य हैं। इस भक्त मंडल की खासियत है कि इसमें कोई पदाधिकारी नहीं बल्कि सभी समान रणजीत बाबा के भक्त है। मुख्य पुजारी पं. दीपेश व्यास ने बताया कि अयोध्या में भगवान राम की प्रतिष्ठा का अवसर हर सनातनी के लिए खास होती है। इसके चलते इस बार रणजीत अष्टमी महोत्सव को भगवान श्रीराम को समर्पित किया गया था। प्रभातफेरी रणजीत हनुमान मंदिर, द्रविड नगर, महू नाका चौराहा से घूमकर अन्नपूर्णा मंदिर रोड पर पहुंची। इसके बाद नरेंद्र तिवारी मार्ग से होते हुए पुनः रणजीत हनुमान मंदिर पर पहुंची। बंगाल के 10 कलाकारों ने एक माह में किया तैयार अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर की विशाल प्रतिकृति का निर्माण बंगाल के 10 कलाकारों द्वारा एक माह में किया गया। इसका निर्माण लोहा, लकड़ी, कपड़ा, थर्माकोल से किया गया। इसे डिजाइनर जाली और रंगों से सजाया गया। यह प्रतिकृति को 16 पहिए वाली गाड़ी पर रखकर झांकी की तरह प्रभातफेरी में शामिल किया गया था। प्राचीन मंदिर की 137 साल पुरानी परंपरा रणजीत हनुमान मंदिर से प्रभातफेरी निकालने की परंपरा 137 साल पुरानी है जो आज भी जारी है। इसकी शुरुआत पं. भोलाराम व्यास ने की थी। उस समय हाथ में रणजीत हनुमान की तस्वीर लेकर मंदिर परिसर में पैदल सात परिक्रमा लगाई जाती थी। इसके बाद प्रभातफेरी ठेला गाड़ी पर निकाली जाने लगी। 2012 के बाद प्रभातफेरी के स्वरूप वृहद हुआ और बाबा को बग्घि में बैठाकर घूमाया जाने लगा। 2014 में बाबा का विग्रह तैयार कर स्वर्ण रथ पर प्रभातफेरी निकाली जाने लगी। प्रभातफेरी में 75 हजार से अधिक भक्त शामिल होते हैं। 51 हजार रक्षासूत्र किए अभिमंत्रित रणजीत अष्टमी महोत्सव में बुधवार को 51 हजार रक्षासूत्रों को अभिमंत्रित किया गयाा।

मप्र के इन जिलों में बारिश की संभावना बरकरार प्रदेश भर में लुढ़का पारा, अभी और बढ़ेगी ठिठुरन

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश के कई शहरों में बुधवार को हुई वर्षा ने वातावरण में ठंडक घोल दी है। वर्षा के कारण तापमान में भी गिरावट आईं है। ठिठुरन की वजह से लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं वर्षा के बाद कोहरा भी छाया। इंदौर में मंगलवार रात हुई जोरदार वर्षा से तापमान में एकाएक गिरावट आ गई है। इस वक्त समूचा उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है। पश्चिम उत्तर प्रदेश पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात है। नमी 90 प्रतिशत तक आ रही है। वातावरण में नमी अधिक होने से कहीं हल्का तो कहीं घना कोहरा छा रहा है। कई जिलों में बारिश से अचानक गिरा तापमान खरगोन, खंडवा, जबलपुर के कुछ इलाकों को छोड़कर पूरा प्रदेश कोहरे की मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह 8.30 से बुधवार सुबह 8.30 तक सबसे अधिक वर्षा इंदौर में 3.2 मिलीमीटर , खंडवा 1 मिलीमीटर , उज्जैन में 1 मिलीमीटर और नौगांव में 0.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। वहीं बुधवार को शाम 5.30 बजे तक भोपाल में 1 मिलीमीटर और नौगांव में 2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। पूर्व कृषि संचालक विशेषज्ञ डा.जीएस कौशल ने बताया कि वर्षा से थोड़ा फायदा तो हुआ है, लेकिन लगातार बादल होने के कारण चना में इल्ली लग सकती है। इसलिए हो रही वर्षा मौसम विभाग के विज्ञानी के अनुसार एक ट्रफ लाइन जो सेंट्रल उत्तर प्रदेश से लेकर दक्षिण पश्चिम मध्यप्रदेश तक है। जिसके चलते पूर्व और पश्चिम मध्यप्रदेश के भागों में वर्षा देखने को मिल रही है। ऐसा मौसम आगे दो से तीन दिनों तक बना रहने की संभावना है। इसके साथ ही एक सिस्टम अरेबियन सागर पर है जिसके आगे बढ़ने की संभावना है। इसके कारण भी एमपी में वर्षा की गतिविधियों में वृद्धि होने की संभावना है। प्रदेशभर में बुधवार को दिनभर ठिठुरन रही। जिलों में हुई बूंदाबांदी से सर्दी बढ़ गई। प्रदेश में सबसे ठंडा ग्वालियर रहा। यहां दिन का अधिकतम तापमान 14.6 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 23.9 डिग्री, इंदौर में 25.2 डिग्री, जबलपुर में 27.4 डिग्री और उज्जैन में 22 डिग्री तापमान रहा।

जनजातीय संग्रहालय में देखें चित्र प्रदर्शनी शौर्य स्मारक में सैन्य फिल्म प्रदर्शन

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। गुरुवार 04 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी। डाक टिकट प्रदर्शनी – जीपी बिडला संग्रहालय में चल रही कला समय पत्रिका के प्रदर्शन में डाक टिकट प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में लगभग 500 से अधिक टिकटों को प्रदर्शित किया जा रहा है। इसे सुबह साढ़े दस बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। माह का प्रादर्श – इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मावन संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी – मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का शुभारंभ आज होगा। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है। पुरातत्व प्रदर्शनी – राज्य संग्रहालय में डा. वीएस वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान द्वारा प्रदेश भर में निष्पादित पुरातत्वीय कार्यों और शैलश्रालयों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

भोपाल में सराफा कारोबारी के घर से एक करोड़ की लूट

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सराफा कारोबारी के घर में चाकू की नोंक पर एक करोड़ रुपये के जेवरात व नकदी की लूट का मामला सामने आया है। घटना बुधवार देर शाम की है। घटना के समय सराफा कारोबारी की पत्नी घर में अकेली थीं। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है न्यू मार्केट में दुकान भोपाल सराफा महासंघ के अध्यक्ष सुशील कुमार धनवानी की न्यू मार्केट में अनमोल ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। उनका आवास जानकारी शहर की अरेरा कालोनी में है। उनके यहां एक वैवाहिक समारोह होना है, जिसके लिए वह घर में कुछ काम करा रहे हैं। शाम के समय वह घर से किसी काम से बाहर निकले। इसी दौरान उनकी बहू भी खरीददारी के लिए बाजार चली गईं। उनकी पत्नी कीर्ति धनवानी घर में अकेली थीं। काम कर रहे मजदूर चले गए। इसके कुछ देर बाद तीन युवा आए और कहा कि भाभी जी कुछ सामान लेना है। काम करने वाले कर्मचारी समझकर कीर्ति ने जैसे ही दरवाजा खोला युवकों ने उन्हें धक्का देकर गिरा दिया और मारपीट करते हुए छुरा अड़ाकर उनसे नकदी व जेवर बताने को कहां। नकदी व जेवर मिल जाने से तीनों वहां से फरार हो गए। व्यापारी के अनुसार लूटे गए जेवर व नकदी का मूल्य करीब एक करोड़ रुपये है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

सट्टेबाजों से लाखों वसूलने वाले दरोगा, हवलदार-सिपाही बर्खास्त

सिटी चीफ भोपाल।

सट्टेबाजों से 23.25 लाख रुपये की अड़ीबाजी करने वाले निलंबित दरोगा मुकुल यादव, हवलदार विकास तोमर और सिपाही राहुल यादव को बर्खास्त कर दिया गया है। सितंबर 2023 में इन्होंने सिरोल स्थित एमके सिटी हाउसिंग सोसाइटी के फ्लैट में दबिश देकर सट्टेबाजों को पकड़ा था। इनकी कनपटी पर पिस्टल रखकर दरोगा और उसके साथी पुलिसकर्मियों ने 23.25 लाख रुपये गुजरात और राजस्थान के अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए थे। पुलिसकर्मियों की यह करतूत जब उजागर हुई तो इन पर एक्सटार्शन सहित अन्य धाराओं में एफआइआर दर्ज हुई। इसके बाद से यह फरार चल रहे थे। इस घटना के 106 दिन बाद तीनों को एसएसपी राजेश सिंह चंदेल ने बर्खास्त कर दिया। एसएसपी राजेश सिंह चंदेल ने बताया कि इन्हें बर्खास्त करने का आदेश बुधवार को जारी कर दिया। घटना के बाद से ही तीनों फरार चल रहे हैं। इनकी गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। अभी आरोपित पकड़े नहीं जा सके हैं। इनकी तलाश चल रही है। सट्टेबाजों से अड़ीबाजी के इस मामले ने पूरे प्रदेश में ग्वालियर पुलिस की किरकिरी करवाई थी। 16-17 सितंबर की रात ग्वालियर पुलिस का दरोगा मुकुल यादव, हवलदार विकास तोमर और सिपाही राहुल यादव एमके सिटी में पहुंचे थे। एमके सिटी हाउसिंग के फ्लैट में इन लोगों ने दबिश दी थी। यहां क्रिकेट पर सट्टा लगाया जा रहा था। इन्हें पकड़कर तीनों ने इनसे 23.25 लाख रुपये वसूले। राजस्थान और गुजरात के अलग-अलग खातों में रुपये ट्रांसफर करवा लिए। इन्हें पिस्टल की नोंक पर धमकाया। फिर सिरोल थाने में इन पर एफआइआर करवाई। सट्टेबाजों ने इसकी जानकारी पुलिस अधिकारियों तक पहुंचाई। जब यह राजफाश हुआ तब पुलिस अधिकारियों ने पड़ताल की। तीनों पर सिरोल थाने में एफआइआर दर्ज की गई। एफआइआर होने की खबर मिलते ही यह फरार हो गए थे। इन पर दस-दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया। अब इन्हें बर्खास्त किया गया है।

घना कोहरा और बादल डालेंगे डेरा, रिमझिम बारिश बढ़ाएगी ठंड

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश सबसे ठंडा दिन ग्वालियर का रहा जहां पर पिछले चार दिन से कोल्ड-डे बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिक एसएन साहू कहना है कि अगले दो दिन भी कोल्ड डे के आसार बने हुए है। इसके साथ ही गुरुवार को आसमान में बादल डेरा जमा सकते हैं, इससे बूंदाबांदी के आसार बन रहे है। लगातार चार दिन से कड़ाके की ठंड के कारण जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। अब बारिश और परेशानी बढ़ाने वाली है। हालात यह हैं कि पिछले चार दिन से लोग ठंड से बचने के लिए अपने घरों में है। गर्म कपड़े और अलाव ही ठंड से बचने का एक मात्र सहारा हैं। चार दिन से सूरज की एक किरण देखने को नहीं मिली और अगले दो दिन भी धूप ना खिलने के आसार बने हैं। ऐसे में चलने वाली हवाएं ठंड की तीव्रता को बढ़ा रही हैं। शीतकालीन अवकाश के चलते गुरुवार तक स्कूल भी बंद है। इससे बच्चे घर से बाहर निकलने से बचे हुए हैं। बुधवार की सुबह मध्यम घना कोहरा रहा, जिससे दृश्यता 800मीटर रही। कोहरा कम होने से दिन के तापमान में 0.2 डिग्री का अंतर आया और पिछले दिन से बढ़ गया, जबकि न्यूनतम तापमान में 0.1 डिग्री की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। बुधवार को अधिकतम तापमान 14.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री दर्ज किया गया। हवा में आद्रता 95 फीसद दर्ज की गई और हवा की रफ्तार करीब आठ से 10 किलोमीटर रही। पश्चिमी विक्षोभ लेकर आया बारिश भूमध्य सागर से चलकर आ रही हवाएं अपने साथ नमी लेकर आ रही है। इनके कारण आसमान में बादल बन रहे हैं जो गुरुवार और शुक्रवार को बारिश करा सकते हैं। इसके साथ ही हरियाणा और राजस्थान के आसमान में डेढ़ किलोमीटर तक हवाओं का चक्रवात बना हुआ है। यही कारण है कि पूरे मध्य प्रदेश में मौसम विभाग बूंदाबांदी के आसार बता रहा है। दो दिन बाद जब पश्चिमी विक्षोभ का असर नहीं रहेगा तो बादल छंट जाएंगे और आसमान में धूप खिलेगी, जिससे ठंड से राहत मिलेगी। पिछले चार दिन से कोल्ड डे 31 दिसंबर को कोल्ड डे रहा था, इसके बाद लगातार कोल्ड डे बना हुआ है। उत्तर-पूर्वी हवाओं के आपस में टकराने से कोहरा बन रहा है। आसमान में हल्के बादल रहने से धूप नहीं खिल पा रही है। मौसम विभाग अब अगले दो दिन के लिए घना कोहरा रहने की संभावना जता रहा है। इससे साफ है कि अगले दो दिन भी कोल्ड डे रहने वाला है। मौसम विभाग के रिकार्ड में पहली बार लगातार छह दिन कोल्ड डे रहने वाला है। हालांकि इससे पूर्व कोल्ड-डे रहने का मौसम विभाग के पास कोई रिकार्ड उपलब्ध नहीं है।

श्वान को बचाने नहर में उतरा युवक, तेज बहाव में डूबने से मौत

सिटी चीफ भोपाल।

घर से सुबह घूमने निकले इकलौते चिराग की लाश देखनी पड़ेगी, ऐसा तो सपने में परिवारजनों ने नहीं सोचा था। पर होनी को कुछ और ही मंजूर था। वो परमार्थ के काम में अपनी जीवन लीला समाप्त कर बैठा। परमार्थ भी किसके लिए... उस अबोले पालतू श्वान के लिए जो उसका था भी नहीं। वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। उसके माता-पिता को उस पर नाज था लेकिन बुधवार सुबह उसका शव देखकर मां का तो कलेजा ही फट पड़ा, वह चीख-चीख कर अपने बेटे को पुकारती रही। पर बेटा तो उस ईश्वर की गोद में जा बैठा था, जिसने उसे मां की झोली में भेजा था।तीबड़ थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव के मुताबिक सरल निगम पुत्र सुधीर निगम (23) सागर गार्डन होम्स, चूनाभट्टी में रहता था। वह मैनिट से बीटेक की पढ़ाई करने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। सरल के पिता एक निजी कालेज से प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। सरल परिवार का इकलौता बेटा था। बुधवार सुबह करीब आठ बजे वह मोहल्ले में रहने वाली दो अन्य युवतियों के साथ कार से केरवा डैम पर घूमने के लिए पहुंचा था। उनके साथ एक युवती का काले रंग का पालतू श्वान भी था। श्वान को बचाने नहर में उतरा सुबह करीब साढ़े आठ बजे तीनों श्वान को लेकर डैम के आगे वन विभाग के जंगल कैंप स्थित पार्क पहुंचे। यहां कुछ देर घूमने के बाद वह डैम से नीचे की तरफ बह रही नहर को पार करने लगे। इसी बीच उनका श्वान नहर में गिर गया। जिसे बचाने के लिए तीनों नहर में उतर गए। पानी के तेज बहाव में बह गए तीनों सरल और दोनों युवतियां एक-दूसरे का हाथ पकड़कर श्वान को नहर के पानी से बचाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन पानी का तेज बहाव होने के वह भी बहने लगे। इसी बीच एक युवक नहर के एक किनारे और युवतियां दूसरे किनारे की तरफ पहुंच गईं, जबकि सरल आगे बह गया। कुछ दूर आगे पानी की गहराई 15 फीट से भी ज्यादा थी, जहां सरल फंस गया और पानी में पूरी तरह से डूब गया। बाहर निकली युवतियों ने शोर मचाना शुरू किया, लेकिन उस वक्त वहां पर कोई भी मौजूद नहीं था। कुछ देर बाद आवाज सुनकर नहर का चौकीदार मौके पर पहुंचा तो युवतियों ने उसे घटना के बारे में बताया। चौकीदार ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस गोताखोरों को लेकर मौके पर पहुंची। बेटे का शव देखकर मां की निकली चीत्कार घटना की जानकारी मिलने के बाद सरल की मां अपने स्वजन के साथ मौके पर पहुंची। यहां नगर निगम और एसडीइआरएफ की टीम ने पानी के भीतर युवक की तलाश शुरू की। करीब आधा घंटा की मशक्कत के बाद टीम ने सरल का शव बाहर निकाल लिया।

इकलौते बेटे का शव देखकर

19 फरवरी को चलेगी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

द्वारका, शिर्डी और ज्योतिर्लिंग के कराएगी दर्शन, भोपाल से गुजरेगी

सिटी चीफ भोपाल।

मप्र के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन लिमिटेड (आइआरसीटीसी) द्वारा 19 फरवरी से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जाएगा। यह ट्रेन सात ज्योतिर्लिंग के साथ द्वारका एवं शिर्डी यात्रा के लिए रवाना होगी, जो जबलपुर से शुरू होकर नरसिंहपुर, इटारसी, नर्मदापुरम, रानी कमलापति स्टेशन (भोपाल), शुजालपुर, उज्जैन, देवास, इंदौर एवं रतलाम स्टेशनों से होते हुए जाएगी। जहां से यात्री इस ट्रेन पर सवार हो सकेंगे।11 दिन-10 रात की इस यात्रा में पर्यटकों को द्वारका, सोमनाथ, नासिक, शिर्डी, औरंगाबाद, परली, परभणी, पुणे एवं केवडिया के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इसके लिए यात्रियों को 19,450 रुपये प्रति व्यक्ति सीएस-ईकानामी श्रेणी, 31,800 रुपये प्रति व्यक्ति 3एसी-स्टैंडर्ड श्रेणी एवं 41,990 रुपये प्रति व्यक्ति 2एसी-कंफर्ट श्रेणी का खर्च उठाना होगा। इसमें यात्रियों को आन-बोर्ड और आफ-बोर्ड भोजन, परिवहन और बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था आदि शामिल रहेगी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज आएंगे, मेला का करेंगे शुभारंभ

सिटी चीफ भोपाल।

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव चार जनवरी गुरुवार को ग्वालियर आएंगे। मुख्यमंत्री विमान द्वारा दोपहर एक बजे राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल महाराजपुरा पहुंचेंगे और शहर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री डा. यादव दोपहर लगभग एक बजे एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग से गोला का मंदिर चौराहा से जन आभार यात्रा में शामिल होंगे। इसके बाद लाल टिपारा गोशाला के विकास कार्यों का उदघाटन करेंगे। इसके बाद मेला परिसर पहुंचकर ग्वालियर व्यापार मेला का उदघाटन करेंगे। शाम को चंद्रवदनी नाका के समीप स्थित राजस्व भवन के सभागार में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर ग्वालियर संभाग की कानून व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। दूसरी बैठक विकास कार्यों की होगी। ग्वालियर शहर में अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री वायुमार्ग से भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगे। जल्दी में ही निबट गया था पिछला दौरा- मुख्यमंत्री मोहन यादव इससे पहले गौरव दिवस कार्यक्रम में ग्वालियर आए थे, हालाकि यह दौरा कुछ ही मिनटों तक सिमट गया था। गोला का मंदिर चौराहा से शुरू होगी जन आभार यात्रा मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव जब मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार ग्वालियर आए तो जल्दबाजी में चले गए थे। इसलिए अब गुरुवार को उनके आगमन पर मेला शुभारंभ के बाद जनआभार यात्रा भी रखी गई है। संगठन के ग्वालियर पदाधिकारियों ने इसको लेकर मांग भी भेजी थी जिसके बाद यह यात्रा प्रस्तावित की गई। गुरुवार को मुख्यमंत्री डा मोहन यादव के साथ केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सहित मंत्री,सांसदगण व विधायक मिलाकर 16 माननीय रहेंगे। सबसे पहले सीएम एयरपोर्ट से गोला का मंदिर पहुंचेंगे जहां से जन आभार यात्रा शुरू होगी जोकि काल्पी ब्रिज तक होगी। यहां भाजपा कार्यकर्ता व स्थानीय लोग सीएम का स्वागत करेंगे। यहां से सीएम लाल टिपारा गौशाला में लोकार्पण करेंगे। इसके बाद व्यापार मेला परिसर में पहुंच मेला शुभारंभ करेंगे और विकास कार्यों का लोकार्पण भी करेंगे। इसके बाद शाम को नीडम रोड स्थित राजस्व भवन में कानून व्यवस्था व विकास कार्यों की दो समीक्षा बैठक लेंगे। सीएम का स्वागत पर्यटन गमछा पहनाकर किया जाएगा। यह माननीय रहेंगे मौजूद खाद्य प्रसंस्करण मंत्री मप्र नारायण सिंह कुशवाह, प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद ग्वालियर विवेक नारायण शेजवलकर, सांसद भिंड संध्या राय, सांसद गुना कृष्णपाल सिंह यादव, महापौर ग्वालियर शोभा सिकरवार, विधायक सेवढ़ा प्रदीप अग्रवाल, विधायक चंदेरी जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, विधायक मुंगावली बृजेंद्र सिंह यादव, विधायक करैरा रमेश खटीक, विधायक पिछोर प्रीतम लोधी, विधायक शिवपुरी देवेंद्र कुमार जैन, विधायक कोलारस महेंद्र सिंह यादव। समीक्षा बैठकें- आनलाइन जुड़ेंगी मुख्य सचिव व डीजी मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठकों में पहले मुख्य सचिव वीरा राणा और डीजी पुलिस का आगमन भी प्रस्तावित था, लेकिन गुरुवार शाम बदलाव हो गया। मुख्य सचिव और डीजी आनलाइन बैठक में जुड़ेंगी। इसके साथ ही कई विभागों अधिकारी भी शामिल होंगे।

संपादकीय

उल्फा-सरकार शांति समझौता: असम में फिर नई उम्मीद

विगत 29 दिसंबर को केंद्र, असम सरकार और यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट (उल्फा) के वार्ता समर्थक गुट के बीच एक त्रिपक्षीय शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व शर्मा ने समझौते को %ऐतिहासिक% बताया और कहा कि यह राज्य में दशकों से चल रही हिंसा खत्म करेगा और विकास एवं समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत होगी। एक संप्रभु असम की मांग के साथ भारत राष्ट्र के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष की घोषणा करते हुए 1979 में उल्फा का गठन किया गया था। तब से, इस सशस्त्र संघर्ष में दस हजार से अधिक लोगों की जान गई है, अनेक लोग जीवन भर के लिए अपंग हो गए और कई लोगों को अन्य प्रकार के अत्याचारों का सामना करना पड़ा है। इसलिए असम की जनता लंबे समय से समस्या का राजनीतिक समाधान चाहती रही है। ऐसी ही एक पहल 2005 में हुई थी, जब उल्फा नेतृत्व द्वारा पीपुल्स कंसल्टेटिव ग्रुप (पीसीजी) नामक एक समूह का गठन किया गया था, जिसमें केंद्र सरकार के साथ परामर्श करने के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता डॉ. इंदिरा गोस्वामी के नेतृत्व में असमिया नागरिक समाज के सदस्य शामिल थे। समूह ने केंद्र सरकार के साथ कई दौर की चर्चा की। लेकिन 2009 में उल्फा प्रमुख अरबिंद राजखोवा सहित संगठन के शीर्ष नेताओं को बांग्लादेश में गिरफ्तार कर असम लाए जाने के बाद घटनाओं ने अलग मोड़ ले लिया। संगठन के कई महत्वपूर्ण नेता या तो सुरक्षा बलों द्वारा मारे गए या उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। गिरफ्तार नेतृत्व ने 2011 में पीसीजी को मध्यस्थ न रखने और केंद्र सरकार के साथ सीधे वार्ता करने का फैसला किया। जबकि म्यांमार स्थित उल्फा के कमांडर इन चीफ और कट्टरवादी परेश बरुआ ने इसे %असांविधानिक% करार दिया। हालांकि इस बीच उल्फा नेतृत्व ने, जिसे वार्ता समर्थक समूह कहा जाता है, असम के नागरिक समाज से कहा कि वे समस्या के समाधान के लिए उनका मार्गदर्शन करें। उसके बाद मई, 2011 में प्रमुख बुद्धिजीवी हिरेन गोहेन के नेतृत्व में गुवाहाटी में नागरिक समाज ने सम्मेलन कर उल्फा नेतृत्व को केंद्र सरकार के समक्ष उठाई जाने वाली मांगों का एक चार्टर सौंपा। मांगों के चार्टर में राज्य में उत्पन्न राजस्व, प्राकृतिक संसाधनों, योजना प्रक्रिया को नियंत्रित करने के लिए राज्य की शक्ति मजबूत करने और एक सुरक्षित जनसांख्यिकीय स्थिति के साथ-साथ त्वरित और संतुलित विकास सुनिश्चित करने के माध्यम से असम (इसके लोगों) को अपने भविष्य पर अधिक नियंत्रण देने के लिए सांविधानिक संशोधन का प्रावधान शामिल था। हालांकि, परेश बरुआ ने केंद्र सरकार के साथ चर्चा के महत्व को खारिज नहीं किया, लेकिन वह इस बात पर अड़े रहे कि चर्चा संगठन की मूल मांग-राजनीतिक संप्रभुता और आर्थिक स्वायत्तता-पर होनी चाहिए। कई दौर की चर्चा के बाद हालिया संधि पर हस्ताक्षर किए गए हैं। बेशक यह समझौता स्वदेशी समुदायों के हितों की रक्षा कर उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का वादा करता है, लेकिन यह कैसे किया जाएगा, यह बहुत स्पष्ट नहीं है। लगता है कि बाकी के अधिकांश प्रावधान, जैसे-मतदाता सूची से अवैध विदेशियों के नाम हटाने के लिए मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया की पुनः जांच, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर की पुनः जांच (जो सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है), भूमि संबंधी आंकड़ों का डिजिटलीकरण, अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मजबूत निगरानी, भूमिहीन स्वदेशी लोगों को जमीन देना आदि कोई नई बात नहीं है। इनमें से कुछ और राज्य में नई रेलवे लाइनों और राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थापना का जिक्र समझौते में किया गया है, जो सरकार के पहले से किए जा रहे कार्यों का ही विस्तार है। परेश बरुआ ने इस त्रिपक्षीय समझौते को %शर्मनाक% और राज्य के लोगों के साथ धोखा बताया है। उन्होंने कहा कि वह चर्चा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन तब तक वार्ता की मेज पर नहीं बैठ सकते, जब तक असम की स्वायत्तता को मुद्दे पर चर्चा न हो। राज्य की जनता की प्रतिक्रिया भी बहुत ठंडी है। मीडिया और विपक्षी पार्टियां भी इसकी आलोचना कर रही है। उल्फा के वार्ता समर्थक गुट के कुछ लोगों ने कहा कि वे समझौते की शर्तों से अनभिज्ञ थे और खुश नहीं हैं। वास्तव में समझौते की आलोचना इसलिए हो रही है, क्योंकि यह उल्फा के राजनीतिक मुद्दों को कमजोर करने वाले कुछ आर्थिक पैकेज तक ही सीमित है। वार्ता समर्थक गुट ने भी स्वीकार किया है कि वे अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद समझौते से अधिक कुछ हासिल नहीं कर सके। मौजूदा परिस्थितियों में वे अधिक सौदेबाजी करने की स्थिति में भी नहीं थे। इसलिए समझौते की सीमित सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि इसके मौजूदा प्रावधानों को कैसे लागू किया जाता है। सभी जानते हैं कि परेश बरुआ उल्फा की मुख्य ताकत बने हुए हैं। वह म्यांमार से ऑपरेशन चलाते हैं और हाल ही मीडिया में खबर आई कि असम के युवाओं में उनका साथ देने के लिए म्यांमार जाने का नया चलन शुरू हुआ है। वार्ता समर्थक गुट समेत सभी जानते हैं कि उल्फा समस्या का समाधान तभी होगा, जब परेश बरुआ चर्चा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विस्व शर्मा भी कई बार इसका संकेत दे चुके हैं। ताजा समझौते के पीछे मुख्यमंत्री की भूमिका स्पष्ट नजर आ रही है। इस समझौते ने परेश बरुआ की प्रासंगिकता को खत्म करने का अवसर दिया था। ऐसा क्यों नहीं किया गया, यह स्पष्ट नहीं है। इसलिए आलोचकों ने इस समझौते को लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर किया गया समझौता बताया है। लेकिन जनता की प्रतिक्रिया देखते हुए लगता नहीं है कि इससे सत्तारूढ़ दल को कोई लाभ होगा। समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले ऊपरी असम में सुरक्षा बलों पर उल्फा के नए हमले हुए। कुछ उल्फा कैडर मारे गए और कुछ गिरफ्तार हुए। यह उल्फा (स्वतंत्र) के नाम वाले परेश बरुआ के विद्रोही गुट की ताकत का प्रदर्शन है या यह नियंत्रण में रखने के लिए सरकार की सक्रिय भूमिका का नतीजा है-यह कहना कठिन है। मौजूदा समझौते की प्रकृति और समझौते के बाद हस्ताक्षर करने वाले उल्फा नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री के बयानों से लगता है कि अभी भविष्य के गर्भ में बहुत कुछ है।

मोहन यादव सरकार की अपनी लकीर बड़ी करने की कोशिश...

मध्यप्रदेश में नई भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में डॉ. मोहन यादव को शुरू में भले ही 'डार्क हॉर्स' माना जा रहा हो, लेकिन अपने 20 दिन के कार्यकाल में उन्होंने जिस तेजी से और जिस संकल्प शक्ति के साथ फैसलों की झड़ी लगा दी है, उससे राज्य में साफ संदेश गया है कि कोई उन्हें 'हल्के' में न ले। यह अपनी लकीर बड़ी करने की कोशिश भी है। खास बात यह है कि डॉ. मोहन यादव के कुछ फैसलों में कई छोटी-छोटी लेकिन गंभीर जमीनी समस्याओं की निदान की चिंता भी दिखाई पड़ती है यानी ये समस्याएं तो बरसों से चली आ रही हैं, लेकिन किसी भी मुख्यमंत्री ने इन्हें अब तक बहुत संजीदगी से नहीं लिया। दूसरे, यादव सरकार के फैसलों में राजनीतिक दूरदर्शिता के साथ साथ प्रशासनिक कसावट का आग्रह भी साफ नजर आती है। मप्र में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की चौथी बार बंपर जीत के बाद बहुतों का कयास था कि अब पार्टी को राज्य में नया चेहरा प्रोजेक्ट करना आसान नहीं होगा, लेकिन भाजपा आलाकमान ने सरकार का चेहरा मोहरा बदलने की ठान ली थी। इसी के तहत बहुत कम चर्चित लेकिन भगवान महाकाल की नगरी के बाशिंदे डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद की कमान सौंपी गई। हालांकि, आला कमान द्वारा सुनियोजित तरीके से दरकिनार किए गए पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक अलग रणनीति अपनाते हुए एक बार फिर से अपनी दावेदारी जताने का कोई मौका नहीं छोड़ा और वो अभी भी यह बताने में लगे हैं कि भूमिका कोई सी भी हो, वो जन सेवा से पीछे हटने वाले नहीं है। शिवराज की यह कसक समझी जा सकती है, क्योंकि उन्होंने लगभग 17 साल तक देश के इस ह्रदय प्रदेश की कमान संभाली और राजनीति का अपना अलग नरेटिव गढ़ा, लेकिन लगातार सत्ता में बने रहने के अपने दुष्परिणाम भी होते हैं। सरकार में एक काकस और निरंकुशता का भाव बन जाता है। यूं शिवराज भावनात्मक और भौतिक रूप से जनता से जुड़े रहे, लेकिन प्रशासनिक तंत्र जनता से दूर होता चला गया। उसमे मगरूरी का भाव घर कर गया। इसके अलावा खुद शिवराज का बढ़ता कद भी भाजपा आला कमान को असहज करने वाला था। इसलिए माना गया कि अब राज्य में बदलाव का सही समय है। नए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के सामने वही चुनौतियां थीं, जो किसी भी नए नवेले और अचर्चित मुख्यमंत्री के सामने होती है। उन्हें तय करना था कि वो शिवराज सरकार की छाया और प्रशासनिक शैली से बाहर निकलकर नई पिच पर कैसी बैटिंग करते हैं। जनता देख रही है कि उनकी अपनी सोच, संघ से तालमेल, भाजपा के एजेंडे को क्रियान्वित करने का संकल्प, नौकरशाही में धमक कायम करने का जज्बा और

प्रशासनिक तंत्र को नए नई और सही दिशा में हांकने की क्षमता कितनी है। इस दृष्टि से इतना तो कहा ही जा सकता है कि सीएम डॉ.मोहन यादव ने इस वन डे मैच के शुरूआती ओवर दमदारी से सधे हाथों से खेले हैं और इस बात के पुष्ट प्रमाण भी हैं। मसलन मुख्यमंत्री बनने के तत्काल बाद जारी उनका पहला आदेश प्रदेश में धार्मिक स्थानों पर जोर से लाउड स्पीकर बजाने और खुले में मांस और अंडे की बिक्री पर सख्ती से रोक। इस फैसले को यूपी में योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल के मंगलाचरण की नकल के रूप में भी देखा गया, लेकिन धार्मिक स्थलों और अन्य कार्यक्रमों में कई बार बहुत ज्यादा शोर और कानफोडू लाउड स्पीकर आम जनता की परेशानी का सबब बन गए थे। चूंकि मामला धार्मिक था, इसलिए इसके खिलाफ कोई बोलने की हिम्मत नहीं कर पाता था।विपक्षी कांग्रेस ने इस आदेश में भाजपा और आरएसएस का साम्प्रदायिक एजेंडा देखा और इस आदेश को परोक्ष रूप से मुसलमानों के खिलाफ बताने की कोशिश भी हुई, लेकिन मोटे तौर पर आम जनता ने इसका स्वागत ही किया, क्योंकि यह नियम किसी धर्म विशेष के स्थलों के लिए न होकर सभी धार्मिक स्थलों के लिए था। इसी तरह खुले में मांस व अंडों की बिक्री पर रोक से उन छोटे दुकानदारों और ठेले वालों को जरूर परेशानी हुई है, जो सरेआम सड़क किनारे दुकान लगा कर ये सामग्री बेचकर अपना पेट भरते हैं, लेकिन ज्यादातर लोगों ने इसे इसलिए सही माना, क्योंकि खुले में मांस बिक्री वैसे भी स्वास्थ्य के लिए हानिकर है। ऐसी कुछ अवैध दुकानों को तोड़ा भी गया। यही नहीं सरकार ने ध्वनि प्रदूषण के मामलों की जांच के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड भी गठित किया है, जो निर्धारित सीमा से अधिक ध्वनि प्रदूषण की शिकायत मिलने पर क्षेत्र में जाकर कार्रवाई करेगा। धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों से होने वाले ध्वनि प्रदूषण की हर हफ्ते समीक्षा की जाएगी। इसका असर दिखने भी लगा है। भाजपा नेता उमा भारती यादव सरकार के इस फैसले से गदगद दिखी। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसे 'यादव सरकार की संवेदनशीलता' निरूपित किया। यादव सरकार का दूसरा अहम फैसला राज्य में विस चुनाव नतीजों के बाद भोपाल में एक भाजपा कार्यकर्ता पर हमला कर उसकी कलाई काटने के आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने का था। अल्पसंख्यक समुदाय के आरोपियों के घर बुलडोजर चलवाकर यादव ने यह संदेश दिया कि अपराध नियंत्रण और आरोपी तो सबक सिखाने के मामले में वो योगी सरकार की नीति पर चलेंगे। हालांकि बुलडोजर को 'त्वरित न्याय' का उपाय मानने और इंसाफ की वैधानिक प्रक्रिया को दरकिनार करने के भाजपाई सोच पर प्रश्नचिन्ह भी लगता रहा है, लेकिन इससे जनाक्रोश को तत्काल कम करने का संदेश भी जाता है। एक और निर्णायक फैसला प्रदेश की राजधानी भोपाल में विवादित बीआरटीएस (बस रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम) के खात्मे का था। देश के कुछ दूसरे शहरों की नकल पर भोपाल मेंं नर्मित बीआरटीएस शुरू से विवादों में रहा। करीब 13 पहले शिवराज सरकार के कार्यकाल में बना यह बीआरटीएस 360 करोड़ रू. खर्चने के बाद भी न तो पूरी तरह बन सका और न ही राजधानी के यातायात को सुगम बनाने का इसका मूल उद्देश्य पूरा हो सका। इसे हटाने की बात बीच में सवा साल के लिए सत्ता में आई कमलनाथ सरकार के कार्यकाल में भी उठी थी, लेकिन अफसरों ने उस सरकार को भी इस बारे में कोई ठोस निर्णय लेने से रोक दिया था। हकीकत में बीआरटीएस जी का जंजाल ज्यादा बन गया था। यह बात अलग है कि इस बीआरटीएस को हटाने में भी अफसर और नेताओं की चांदी होने वाली है, क्योंकि हाथी मरा भी तो सवा लाख का। बताया जा रहा है कि इसे हटाने पर भी 40 करोड़ का खर्च अनुमानित है। लेकिन यादव सरकार के जिस फैसले ने मोहन यादव सरकार की धमक कायम की वो गुना बस हादसे के समूची नौकरशाही को जिम्मेदार मानते हुए 'पूरे घर के बदल डालने'का था। एक निजी बस और डंपर की टक्कर के बाद लगी आग में 13 यात्रियों की जलकर मौत हो गई थी। जांच में सामने आया कि दोनो ही वाहन अवैध तरीके से चल रहे थे। इसके बाद सीएम मोहन यादव ने गुना जिले के कलेक्टर, एसपी के साथ साथ ट्रांसपोर्ट कमिश्नर और प्रमुख सचिव परिवहन को भी पद से हटा कर समूची नौकरशाही में कड़ा संदेश दिया। यह मौका देखकर चौका मारने वाली बात भी थी, क्योंकि आगे पीछे शिवराज सरकार में प्रमुख पदों पर बैठे अफसरों को हटना ही था, लेकिन सड़क हादसा इसका निमित्त बन गया। वैसे भी किसी सड़क हादसे में सरकार द्वारा अब तक की गई यह सबसे बड़ी कार्रवाई है, हालांकि जिस बस के यात्रियों की अकाल मौत हुई, वो एक भाजपा नेता की है और उसके खिलाफ कार्रवाई का अभी लोगो को इंतजार है। जन समस्याओं से जुड़ा एक और मुद्दा जिलों, तहसीलों और थानों की सीमा के पुनर्निधारण का है। इसके लिए एक कमेटी बनाने का फैसला हुआ है, जो इसका अध्ययन कर सरकार को रिपोर्ट देगी। शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इंदौर संभाग से की जाएगी। यह सही है कि राज्य में कई तहसीलों और थानों की भौगोलिक सीमाएं ऐसी हैं, जो स्थानीय नागरिकों की पहुंच से प्रशासन को दूर करती हैं। इनके युक्तियुक्तकरण की बेहद आवश्यकता थी। मसलन किसी गांव से जिला मुख्यालय 10 किमी है तो किसी दूरस्थ तहसील से इसकी दूरी सौ किमी तक है। जबकि पड़ोस का जिला मुख्यालय वहां से बहुत पास है। यही स्थिति थानों की भी है। किसी गांव से पुलिस थाना बहुत पास है तो किसी गांव से बहुत दूर। इस विसंगति को मिटाने के लिए तहसील और थानों की सरहदों का पुनर्निधारण बेहद जरूरी था। यादव सरकार ने इस बारे में निर्णय लेकर एक बुनियादी मसले के हल की दिशा में कदम उठाया है। प्रशासन की लोगों तक सुगम पहुंच के इस फैसले पर अगर सही ढंग से अमल हुआ तो इसका सकारात्मक असर जरूर दिखाई देगा। इसके अलावा उच्च शिक्षा में गुणवत्ता के उद्देश्य से हर जिले में प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज खोलने का निर्णय भी अहम है। लेकिन इसी के साथ राज्य में पहले से चल रहे कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस और सीए राइज स्कूलों दुर्दशा पर भी सरकार को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। कुल मिलाकर नई सरकार का आगाज तो अच्छा है, लेकिन इसके अनुकूल राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिणाम कैसे और कितने आते हैं, इस पर यादव सरकार का भविष्य काफी कुछ निर्भर करेगा।

आज ही कर लीजिए नमक और लौंग का ये उपाय, तेजी से होगी बरकत, घर में अचानक से धन आना हो जाएगा शुरू

वास्तु शास्त्र में आज हम बात करेंगे घर में पैसों की प्राप्ति और बरकत के बारे में। एक कांच के पात्र में या कटोरी में थोड़ा-सा मोटा नमक लें और उस कटोरी में नमक के साथ चार-पांच लौंग भी रखें। इसे आप घर के किसी भी एक कोने में रख सकते हैं। इस उपाय को करने से धन की आवक शुरू होगी और घर की चीजों में बरकत भी बनी रहेगी। कांच की कटोरी में नमक रखने से जहां एक तरफ घर में धन की कमी दूर होगी तो दूसरी तरफ पूरा घर एक अलग ही सुगंध से महक उठेगा और घर में सुख-शांति बनी रहेगी। इसके अलावा यदि बाथरूम संबंधी

कोई वास्तु संबंधी समस्या है तो कटोरी में क्रिस्टल नमक लेकर बाथरूम में ही किसी ऐसी जगह पर रख दें जहां पर किसी के हाथ उस पर न पड़े और कुछ-कुछ दिनों में कटोरी में से नमक को बदल दें। वास्तु के अनुसार, यदि आपके घर में भी कोई सदस्य बीमार है तो उस सदस्य के सोने के कमरे में सिरहाने पर एक कटोरी में सेंधा नमक के कुछ टुकड़े रख दें। बीमारी व्यक्ति का सिरहाना पूर्व दिशा की तरफ रख दें। वास्तु में इस उपाय को काफी कारगार बताया गया है। इसके अलावा घर से नकारात्मकता और दरिद्रता को दूर करने के लिए नमक वाले से पोंछा लगाएं। इस उपाय को गुरुवार को छोड़कर हर दिन कर सकते हैं। चुटकी भर नमक के पानी से पोंछा लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके साथ ही घर में समृद्धि और संपन्नता बनी रहती है।

गुरुवार का व्रत कब से शुरू करना चाहिए, जानिए क्या है व्रत का सही नियम

हिंदू धर्म में गुरुवार के व्रत का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की उपासना करने और व्रत रखने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती हैं। दरअसल, सप्ताह का गुरुवार का दिन प्रभु विष्णु नारायण और बृहस्पति देव को समर्पित है। ऐसे में इस दिन उपवास और पूजा का महत्व और बढ़ जाता है। मान्यताओं के मुताबिक, गुरुवार का व्रत रखने से विष्णु जी के साथ माता लक्ष्मी की भी कृपा प्राप्त होती है। इसके अलावा विवाह संबंधी परेशानियां भी दूर हो जाती हैं। तो अगर आप भी गुरुवार का व्रत रखने जा रहे हैं तो उससे पहले इस व्रत से जुड़े नियम के बारे में जान लीजिए।

इस दिन से शुरू करें गुरुवार का व्रत *पौष महीने में गुरुवार का व्रत शुरू नहीं करना चाहिए। गुरुवार का व्रत शुरू करने के लिए अनुराधा नक्षत्र और महीने के शुक्ल पक्ष की तिथि शुभ मानी जाती है। कहा जाता है कि इन तिथि में गुरुवार का व्रत शुरू करने से विष्णु जी और बृहस्पति देव की अपार कृपा मिलती है। वहीं जो जातक पहले से गुरुवार का व्रत करते आए हैं तो पौष मास में पूजा और व्रत कर सकते हैं।*

कितने गुरुवार का व्रत करना चाहिए? *गुरुवार का व्रत महिला और पुरुष दोनों रख सकते हैं। कुछ लोग अपनी मन्नत पूरी होने तक यह व्रत रखते हैं। 16 गुरुवार*

हाथों में बनी ये एक लकीर बना देती है बड़ा बिजनेसमैन, दिन रात बरसता है इन लोगों की जेब में पैसा

सामुद्रिका शास्त्र बहुत ही रहस्यमय शास्त्र है। इस शास्त्र में वो सभी चीजें बताई गई हैं जिससे मानव जीवन के भविष्य में झांक कर देखा जा सकता है। जिस तरह ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की स्थिति को देख कर भविष्य का आकलन किया जाता है। ठीक उसी प्रकार से सामुद्रिका शास्त्र में हस्त रेखा विशलेषण कर के किसी भी व्यक्ति के जीवन से जुड़ी कई सारी चीजों के बारे में जाना जा सकता है। सामुद्रिका शास्त्र के अनुसार हाथ में एक ऐसी रेखा होती है जो व्यक्ति को बड़ा व्यापारी बना देती है। आइए जानेत हैं हाथ में वो रेखा कहां पर होती है।

बुध रेखा बनाती है बड़ा व्यापारी

सामुद्रिका शास्त्र के अनुसार हथेली में आयु रेखा के पास से और भाग्य रेखा से होते हुए जो रेखा कनिष्ठा उंगली की ओर जाती है। उसे बुध रेखा कहा जाता है। कनिष्ठा उंगली हाथ की सबसे छोटी उंगली होती है। जिनके हाथ में ये रेखा होती है उनका रूझान व्यापार में अधिक होता है। इस रेखा के होने से व्यक्ति अपने जीवन में बहुत बड़ा कारोबार संभालता है और बड़ा कारोबार न भी हो तो अपने जीवन में ऐसे लोग व्यापार में हाथ लगाएं तो वह सफल हो कर अच्छा धन कमाते हैं। हस्त रेखा में एक बात का अवश्य ध्यान दें यदि महिलाओं का हाथ देखना हो तो उनका उल्टा हाथ देखा जाता है और पुरुषों का सीधा हाथ।

कहां होती है व्यापार की रेखा

व्यापार रेखा हथेली में आयु रेखा की ओर से शुरू हो कर भाग्य रेखा से होते हुए कनिष्ठा की और जाती है। यह रेखा जितनी स्पष्ट, साफ और गहरी होती है। उतना ज्यादा ही इसका असर व्यक्ति के जीवन में देखा जाता है। ध्यान देने वाली बात है कि इस रेखा को हाथेली की कोई अन्य रेखा न लांघ रही हो तभी इस रेखा का पूर्ण रूप से फल मिलता है। ये भी माना जाता है कि जिनके हाथों में बुध की रेखा एकदम स्पष्ट होती है, ऐसे लोग बुद्धिमान होते और इनकी तार्किक शक्ति भी प्रबल होती है।

म्यूजिक वीडियो अयोध्या के श्रीराम में अपनी आवाज देंगे रवि किशन

गाने की रिकॉर्डिंग आज से

अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर भव्य उद्घाटन की तैयारी बहुत ही जोर शोर से चल रही है। इस अवसर पर अभिनेता और सांसद रवि किशन अपने म्यूजिक वीडियो अयोध्या के श्रीराम को लांच करने की तैयारी कर रहे हैं। इस म्यूजिक वीडियो में अभिनेता रवि किशन खुद अपनी आवाज देने जा रहे हैं, जिसकी रिकॉर्डिंग आज दिल्ली में होगी। रवि किशन कहते हैं कि पुरे विश्व की नजर प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर उद्घाटन पर है। विश्व के श्रद्धेय प्रभु श्री राम के चरणों में यह म्यूजिक वीडियो समर्पित है। अभिनेता और सांसद रवि किशन ने अपने संसदीय क्षेत्र गोरखपुर में नवरात्रि की सप्तमी के दिन म्यूजिक वीडियो अयोध्या के श्रीराम की शूटिंग कर चुके हैं। उस समय म्यूजिक वीडियो की शूटिंग रफ ट्रैक पर ही हुई थी आज रवि किशन इस वीडियो के गाने की रिकॉर्डिंग अपनी आवाज में करेंगे। रवि किशन कहते हैं, अयोध्या के श्रीराम के गाने की शूटिंग हमने बहुत ही भव्य स्तर पर गोरखपुर में राजघाट में की, जिसमें मुंबई से 500 डांसर ने भाग लिया है। यह अपने आप में अद्भुत म्यूजिक वीडियो है। म्यूजिक वीडियो अयोध्या के श्रीराम का निर्माण अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर भव्य निर्माण को लेकर किया गया है। एल्बम का निर्माण कर रहे निर्माता निरंजन कुमार सिन्हा कहते हैं, इस गाने की शूटिंग की तैयारी काफी समय से चल रही थी। रवि किशन से जब इस म्यूजिक वीडियो के लिए बात की तो वह तुरंत तैयार हो गए। गाने का फिल्मांकन बहुत ही भव्य तरीके से हुआ, फिर विचार किया कि क्यों ना रवि किशन ही इस म्यूजिक वीडियो में अपनी आवाज भी दे, मेरे इस निवेदन को उन्होंने सहर्ष की स्वीकार कर लिया और आज हम गाने की रिकॉर्डिंग कर रहे हैं। म्यूजिक वीडियो अयोध्या के श्रीराम के संगीतकार माधव एस राजपूत हैं। इस गीत को मिनाक्षी एसआर और प्रणव वत्स ने लिखे हैं। संगीतकार माधव एस राजपूत ने ही रफ ट्रैक गए थे, जिसे आज रवि किशन अपनी आवाज में दिल्ली सफदरगंज के कथारस स्टूडियो में रिकॉर्ड कर रहे हैं। यह म्यूजिक वीडियो 14 जनवरी को यूट्यूब चैनल पर लांच होगा और 17 जनवरी को इस एल्बम की लॉन्चिंग पार्टी का आयोजन मुंबई में होगा। बताया जा रहा है कि यह बहुत ही महंगा म्यूजिक वीडियो पर है, जिसमें एक भोजपुरी फिल्म की शूटिंग की जा सकती है।

नेहा पेंडसे के बांद्रा स्थित घर से छह लाख रुपये के गहने हुए चोरी

पुलिस ने नौकर को किया गिरफ्तार

अभिनेत्री नेहा पेंडसे के घर से छह लाख रुपये के गहने चोरी हो गए है। चोरी की रिपोर्ट पुलिस में अभिनेत्री के पति के ड्राइवर ने दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। नेहा पेंडसे के पति शार्दुल सिंह बयास के ड्राइवर रत्नेश झा ने बताया कि चोरी बांद्रा पश्चिम में अरेटो बिल्डिंग की 23वीं मंजिल पर उनके फ्लैट में हुई। गहने की कीमत छह लाख रुपये बताई गई है।

अलमारी से गहने हुए चोरी

शिकायत में रत्नेश झा ने बताया कि 28 दिसंबर को शार्दुल ने उन्हें सूचित किया कि चार साल पहले शादी के उपहार के रूप में मिला एक सोने का कंगन और हीरे से जड़ी अंगूठी गायब थी। शार्दुल आमतौर पर इस आभूषण को बाहर पहनते थे और घर लौटने पर उन्होंने इसे घर के नौकर, सुमित कुमार सोलंकी को सौंप दिया, जिन्होंने इसे बेडरूम की अलमारी में रख दिया।

सुमित पर हुआ शक

सुमित अन्य घरेलू नौकरों के साथ परिसर में रहते हैं। घटना के दिन शार्दुल बाहर जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी उन्हें अलमारी से गहने गायब होने का पता चला। घर के सभी नौकरों से पूछताछ करने पर भी किसी को गायब सामान के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उस समय नौकर सुमित घर पर नहीं था और जब सुमित से संपर्क किया गया तो उसने कोलाबा में अपनी मौसी के घर पर होने का दावा किया।

नौकर सुमित गिरफ्तार

आगे पूछताछ करने पर सुमित ने कहा कि उसने गहने अलमारी में रख दिए थे। हालांकि, जब शार्दुल ने इसकी तलाश की तो गहने कहीं नहीं मिले। सुमित पर संदेह होने पर शार्दुल ने उससे तुरंत घर लौटने का अनुरोध किया, लेकिन सुमित ने वापस आने में देर कर दी, जिससे शार्दुल का शक गहरा हो गया। फिर शार्दुल के ड्राइवर रत्नेश झा ने बांद्रा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में नौकर सुमित को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन चोरी हुए गहने अभी तक बरामद नहीं हुए हैं।

ऋतिक से पहले इन सितारों के साथ किए जबर्दस्त धमाल

दीपिका पादुकोण ही बॉलीवुड की असली फाइटर

निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की फिल्मफाइटर में पहली बार अभिनेता ऋतिक रोशन और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की जोड़ी नजर आएगी। फिल्म में ऋतिक और दीपिका वायुसेना के पायलट की भूमिका निभा रहे हैं।पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म निर्देशित कर चुके सिद्धार्थ आनंद की इस ताजा फिल्म को लेकर ऋतिक और दीपिका के प्रशंसकों में काफी उत्सुकता देखी जा रही है। फिल्म के टीजर और गानों में दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली है। लेकिन, दीपिका की तारीफ इस बात के लिए भी होती है कि वह किसी एक सितारे के साथ ही कमाल नहीं करती हैं, उनके धमाल दर्शकों ने और सितारों के साथ भी खूब देखे हैं। आइए जानते हैं दीपिका पादुकोण इन हिट जोड़ियों के बारे में हिंदी सिनेमा में दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान की फिल्मओम शांति ओम से डेब्यू किया। दीपिका पादुकोण के करियर की ये पहली ही फिल्म न सिर्फ सफल रही, बल्कि फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया। दीपिका पादुकोण ने अपने करियर की अधिकतर हिट फिल्में शाहरुख खान के साथ ही हैं और सभी फिल्में सफल रही हैं। ये फिल्में हैं,चेन्नई एक्सप्रेस,हैप्पी न्यू ईयर,पठान औरजवान। इस फिल्मों में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की केमिस्ट्री को खूब पसंद किया। फिल्मजवान में भले ही उनकी भूमिका छोटी थी, लेकिन इस फिल्म की मूल कड़ी दीपिका पादुकोण का किरदार रहा। अभिनेता शाहरुख की फिल्मओम शांति ओम के बाद दीपिका पादुकोण के अभिनय का पड़ाव अभिनेता रणबीर कपूर की फिल्मबचना ऐ हसीनो रहा। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण के अलावा बिपाशा बासु और मिनिषा लांबा भी थी। बावजूद इसके दीपिका पादुकोण के किरदार को काफी नोटिस किया गया। इस फिल्म के बाद दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर की हिट जोड़ी आयन मुखर्जी की फिल्मये जवानी है दीवानी में नजर आई। नैना तलवार की भूमिका में दीपिका पादुकोण के किरदार को खूब पसंद किया। इस फिल्म के बाद दोनोंइम्तियाज अली की फिल्मतमाशा में नजर आए। इन फिल्मों के दौरान ही रणबीर और दीपिका करीब आए और जब तक दोनों के बीच कैटरीना कैफ नहीं आ गईं, ये जोड़ी ऑफ स्क्रीन भी खूब हिट रही। अभिनेता अक्षय कुमार के साथ दीपिका पादुकोण ने पहली बार फिल्मचांदनी चौक टू चाइना में काम किया। लेकिन, निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी यह फिल्म बुरी तरह से फ्लॉप रही। इस फिल्म के बाद अक्षय कुमार और दीपिका पादुकोण की जोड़ी निर्देशक साजिद खान की फिल्महाउसफुल में नजर आई। यह फिल्म भी सफल रही और फिल्म में अक्षय और दीपिका की कमेस्ट्री भी जमती नजर आई। हालांकि, इस फिल्म के बाद दीपिका पादुकोण ने फिल्म 'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की अगली फिल्मों में काम करने से मना कर दिया।

खुशी कपूर का नाम वेदांग रैना के साथ जोड़ना चाहती हैं जान्हवी कपूर

बोलीं- वे बहुत प्यारे हैं

फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर के टॉक शो %कॉफी विद करण 8% के नए एपिसोड में अभिनेत्री खुशी कपूर और जान्हवी कपूर शामिल हुईं। पहली बार दोनों बहनें एक साथ करण के शो में दिखीं। इस दौरान जान्हवी ने अपनी बहन खुशी को इंडस्ट्री में किसी के साथ उनका नाम जोड़ने करने की बात कही। जान्हवी ने कहा कि वे खुशी के लिए वेदांग रैना को चुनेंगी।

रैपिड-फायर राउंड के दौरान करण ने जान्हवी से पूछा कि अगर आप खुशी को इंडस्ट्री से किसी के साथ सेट कर सकती हैं तो वह कौन होगा? इस पर जान्हवी ने जवाब दिया कि वेदांग प्यारे हैं। वे सुंदर हैं। वे प्यारे लगते हैं। उनके पास एक अच्छी वाइब है। इतने में खुशी मुस्कुराईं और उन्होंने जान्हवी की बातों पर सिर हिलाया। इससे पहले एपिसोड के दौरान करण ने खुशी से पूछा था कि क्या उन अफवाहों में कोई सच्चाई है कि वह वेदांग रैना को डेट कर रही हैं। उन्होंने कहा था कि यह झूठ है। यह सच नहीं है। उन्होंने वेदांग को अपना दोस्त बताया था। वहीं, एपिसोड के रिलीज होने से एक दिन पहले वेदांग को खुशी, जान्हवी, बोनी कपूर और शिखर पहाड़िया के साथ नए साल का जश्न मनाने के बाद मुंबई लौटते हुए देखा गया। हालांकि, वेदांग ने भी पहले डेटिंग की अफवाहों का खंडन किया था।

अभिनेता वेदांग ने साक्षात्कार में अफवाहों के बारे में बात की थी और कहा था कि वे और खुशी सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने कहा था कि खुशी और मैं कई स्तरों पर जुड़े हुए हैं। संगीत में हमारी रुचि एक जैसी थी। खुशी और मैं डेटिंग नहीं कर रहे हैं। मेरा उसके साथ बहुत मजबूत रिश्ता है। हम एक-दूसरे को बहुत लंबे समय से जानते हैं और हम अच्छे दोस्त हैं। द आर्चीज की रिलीज के बाद ये अटकलें लगाई गईं कि खुशी कपूर अपने सह-कलाकार वेदांग रैना को डेट कर रही हैं, जिन्होंने फिल्म में रेगी का किरदार निभाया था। दोनों को अक्सर शहर में एक साथ देखा गया, जिसके बाद डेटिंग की अफवाहें उड़ने लगीं। वेदांग अभिनेत्री जान्हवी, उनके कथित प्रेमी शिखर पहाड़िया और ओरी के साथ खुशी के जन्मदिन के लंच में भी शामिल हुए थे। वे खुशी कपूर के क्रिसमस सेलिब्रेशन में उनके करीबी दोस्तों के साथ भी मौजूद थे।

कल्कि और श्रीराम के बाद भगवान शिव का रूप धरेंगे प्रभास

बाहुबली की आने वाली फिल्मों के बारे में

फिल्म सलार पार्ट वन सीजफायर के बाद बाहुबली अभिनेता प्रभास अपनी आने वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। जब से निर्माताओं ने इस फिल्म की पहली झलक साझा की है, तभी से इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। इस फिल्म में अभिनेता प्रभास का किरदार भगवान विष्णु के दसवें अवतार कल्कि से प्रेरित बताया जा रहा है। इस फिल्म में कल्कि अवतार के बाद वह एक और आने वाली फिल्म में भगवान शिव की भूमिका में नजर आएंगे। बीते साल रिलीज फिल्म 'आदिपुरुष' में प्रभास भगवान श्रीराम का रूप भी धर चुके हैं। अभिनेता प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी 12 जनवरी 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इस फिल्म की रिलीज डेट टल गई है। और, जल्द ही फिल्म के रिलीज डेट की घोषणा होगी। फिल्म सलार पार्ट वन सीजफायर की जबरदस्त कामयाबी के बाद एक बार फिर प्रभास की फिल्मों को लेकर उनके फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। दर्शक उनकी फिल्म सलार 2 को भी देखने के लिए काफी उत्सुक दिख रहे है। इस फिल्म को लेकर प्रभास इस बात का खुलासा कर चुके है कि इस फिल्म को देखने के लिए दर्शकों को अब यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। मिली जानकारी के अनुसार सालार पार्ट 2 शौर्यांग पर्व में यह दिखाया जाएगा कि शौरांग वह कबीला है, जो प्रभास के किरदार देवा से जुड़ा है जिसमें देवा यह पता लगाने की कोशिश करेगा कि कैसे वरदा उसका दुश्मन बन गया? वरदा का किरदार पृथ्वीराज सुकुमारन ने निभाया है। सालार पार्ट 2 शौर्यांग पर्व के अलावा प्रभास अपनी आने वाली फिल्म राजा डीलक्स को लेकर भी चर्चा में हैं।

सिंगल कॉलम

मिलेट को बढ़ावा देने के लिए शुरू की जा रही अमरुत प्रतियोगिता, तकनीकी विश्वविद्यालयों में होगा आयोजन

मिलेट को बढ़ावा देने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को जागरूक करेगा। तकनीकी कॉलेजों के छात्रों, शिक्षकों व कर्मचारियों के माध्यम से आम लोगों को मिलेट रेसिपी और मिलेट खाने के फायदों के बारे में बताया जाएगा। इसके लिए एआईसीटीई मिलेट रेसिपी अनलीशिंग टैलेंट (अमरुत) प्रतियोगिता शुरू की जा रही है। एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त तकनीकी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में यह प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले मार्च में दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रोफेसर टीजी सीताराम ने बुधवार को अमरुत प्रतियोगिता को लॉन्च किया। उन्होंने बताया कि खानपान को लेकर एआईसीटीई की ओर से पहली बार इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसका मकसद आम लोगों को मिलेट से जोड़ना है, ताकि वे उसके फायदों से अवगत हो सकें। प्रतियोगिता में तकनीकी कॉलेजों के छात्र, शिक्षक और सहायक कर्मचारी मिलेट से तैयार अपने नवीन और पारंपरिक व्यंजनों के साथ भाग ले सकते हैं। इसमें देश के अलग-अलग क्षेत्रों से प्रतिभागी शामिल होंगे। इसके माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में मिलेट से बने व्यंजनों का स्वाद और उससे जुड़ी परंपराएं देखने को मिलेंगी। भारत में इंटरनेशनल मिलेट इयर- 2023 के दौरान स्वास्थ्य, पर्यावरण और आर्थिक विकास पर मिलेट के लाभ के बारे में जागरूक किया गया। इसी के तहत मिलेट की खपत को प्रोत्साहित करना और इससे बने उत्पादों के लिए प्रतियोगिता के माध्यम से एक बड़ा बाजार तैयार करना है। स्टार्टर, मेन कोर्स और डेजर्ट में परख प्रतियोगिता के तहत तीन श्रेणियों स्टार्टर, मेन कोर्स और डेजर्ट में रेसिपी आमंत्रित की जा रही है। वहीं तीन उपश्रेणियों में कन्फेक्शनरी की रेसिपी भी रहेगी। ये उपश्रेणी हैं, जिसमें बाजरा अनुपात 70 फीसदी और उससे अधिक 50 से 70 फीसदी और 30-50 फीसदी। रेसिपी की विशिष्टता और नवीनता के आधार पर एक विशेषज्ञ कमेटी मूल्यांकन के बाद टीमों को ग्रैंड फिनाले के लिए चयनित किया जाएगा। चयनित टीमें मार्च में दिल्ली में आयोजित होने वाले ग्रैंड फिनाले में भाग लेंगी।

देश में 31 दिसंबर तक चीनी का उत्पादन 111.80 लाख टन

नई दिल्ली । देश में चालू चीनी विपणन वर्ष 2023-24 में चीनी मीलों में गन्ना की पेराई ने रफ्तार पकड़ ली है। हालांकि, पिछले चीनी विपणन वर्ष की तुलना में चीनी उत्पादन अभी भी कम है। चालू चीनी विपणन वर्ष में 31 दिसंबर, 2023 तक चीनी का उत्पादन 111.80 लाख टन रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में 121.20 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। चीनी मिलों के संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि चीनी विपणन वर्ष 2023-24 में 31 दिसंबर, 2023 तक चीनी का उत्पादन 111.80 लाख टन रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में 121.20 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। इस्मा के मुताबिक इस वर्ष चालू चीनी मिलों की संख्या 512 है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 509 चीनी मिलें संचालित थीं। इस्मा के मुताबिक विशेष रूप से इस वर्ष महाराष्ट्र और कर्नाटक में चीनी मिलें पिछले वर्ष की तुलना में करीब 10-15 दिन बाद शुरू हुई हैं, जबकि कटाई की प्रारंभिक गति नवंबर के मध्य तक धीमी रही। हालांकि, इस समय देशभर में चीनी मिलों में पेराई जोरों पर है। गौरतलब है कि इस्मा ने चालू चीनी विपणन वर्ष 2023-24 में कुल 325 लाख टन चीनी का उत्पादन (इथेनॉल के लिए उपयोग के बिना) होने की उम्मीद जताई है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने आवास लोन पर ब्याज दर घटाकर 8.15 फीसदी किया

नई दिल्ली । *सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने नये साल में ग्राहकों को बड़ा तोहफा दिया है। बैंक ने होम लोन पर ब्याज दर 0.15 फीसदी घटाकर 8.35 फीसदी कर दिया है। इसके साथ ही आवास ऋण के लिए प्रसंस्करण शुल्क में भी कटौती की गई है। नई दरें बुधवार से लागू हो गई हैं। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने जारी बयान में कहा कि आवास ऋण पर ब्याज दर 0.15 फीसदी की कटौती की गई है, जो अब 8.50 फीसदी से घटकर 8.35 फीसदी हो गया है। बीओएम के मुताबिक ग्राहकों को नये साल की पेशकश के तहत ब्याज में कटौती की गई है। बैंक ने बताया कि आवास ऋण के लिए प्रसंस्करण शुल्क में भी कटौती की गई है। दरअसल, मौजूदा उच्च ब्याज दर परिदृश्य में बैंक ग्राहकों के लिए चीजें सुगम बनाने को लेकर खुदरा कर्ज को सस्ता कर रहा है। बैंक ने होम लोन पर ब्याज दर में यह कटौती रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुवाई वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में पांचवीं बार रेपो दर को 6.5 फीसदी पर पिछले साल अपरिवर्तित रखने के बाद आया है।*

इंदौर, उज्जैन और रतलाम सराफा बाजार में आज ये हैं सोना-चांदी के दाम

अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में निवेशकों की छुटपुट लेवाली और सटोरियों की सक्रियता के चलते कामेक्स वायदा तेजी जारी रही। कामेक्स पर सोना सुधरकर 2076 डालर प्रति औंस और चांदी 10 सेंट बढ़कर 24.08 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इसके चलते इंदौर मार्केट में नए साल के दूसरे दिन भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी रहा।इंदौर में सोना कैडबरी सुधरकर 63225 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 350 रुपये बढ़कर 74750 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। अगले सप्ताह से भारतीय बाजारों में वैवाहिक खरीदारी का दबाव बढ़ने की संभावना है, जिससे सोने और चांदी में लंबी मंदी नजर नहीं आ रही है। कामेक्स सोना ऊपर में 2076 तथा नीचे में 2062 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 24.08 व नीचे में 23.68 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। सोना कैडबरी रवा नकद में 63225 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 65200 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) 59720 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। सोमवार को सोना 63150 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 74750 रुपये, चांदी टंच 74900 रुपये तथा चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 75250 रुपये प्रति किलो बोली गई। सोमवार को चांदी 74400 रुपए पर बंद हुई थी। उज्जैन सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम सोना स्टैंडर्ड 63325 रुपये तथा सोना रवा 63225 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 75000 रुपये तथा चांदी टंच 74800 रुपये प्रति किलो बोली गई। सिक्का 800 रुपये प्रति नग रहा। रतलाम सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम सोना स्टैंडर्ड 65300 रुपये तथा सोना रवा 65250 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी चौरसा 75850 रुपये तथा चांदी टंच 75950 रुपये प्रति किलो बोली गई।

केपटाउन टेस्टः तेज गेंदबाजों का कहर, पहले दिन गिरे 23 विकेट

केप टाउन । *भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच के पहले दिन तेज गेंदबाजों की बल्ले-बल्ले रही। तेज गेंदबाजी का कहर ऐसा रहा कि पहले ही दिन में कुल 23 विकेट गिरे। जहां 23.2 ओवर में दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 55 रन पर और फिर भारत की पहली पारी 34.5 ओवर में 153 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में मेजबान प्रोटियाज के पहले दिन का खेल खत्म होने तक 62 रन पर 3 विकेट गिर गए हैं। एडेन मार्करम 36 रन और डेविड बेडिंगहम 7 रन बनाकर खेल रहे हैं।*

इस टेस्ट में मोहम्मद सिराज ने पहली पारी में मात्र 15 रन देकर छह विकेट अपने नाम किए। हालांकि दक्षिण अफ्रीका की सरजमीं पर टेस्ट मैचों में भारत के लिए सबसे बेहतरीन गेंदबाजी का रिकॉर्ड शार्दुल ठाकुर के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2022 में 61 रन देकर 7 विकेट झटके थे। इस सूची में दूसरे नंबर पर हरभजन सिंह का नाम है, जिन्होंने 2011 में 120 रन देकर 7 खिलाड़ियों को आउट किया था।

दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 55 रनों पर सिमटी *इससे पहले मोहम्मद सिराज (9 ओवर 15 रन 6 विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने यहां खेले जा रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन लंच से पहले दक्षिण अफ्रीका को केवल 55 रनों पर समेट दिया। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से केवल डेविड बेंडिंगहम (12) और विकेटकीपर काइल वेरायाने (15) ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। भारत की तरफ से सिराज के अलावा जसप्रीत बुमराह और मुकेश कुमार ने भी दो-दो विकेट झटके।*

भारत के खिलाफ सबसे न्यूनतम स्कोर

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में दक्षिण अफ्रीकी टीम का भारत के खिलाफ यह (55 रन का स्कोर) सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले अफ्रीकी टीम नवंबर 2015 में नागपुर टेस्ट में 79 रनों पर ढेर हो गई थी। जबकि किसी भी देश की टीम का भारत के खिलाफ न्यूनतम स्कोर का रिकॉर्ड इससे पहले न्यूजीलैंड के नाम था, जो वर्ष 2021 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में 62 रन पर सिमट गई थी।

भारत ने पहली पारी में बनाए 153 रन

पहले दिन भारत की पहली पारी 153 रनों पर समेट गई। भारत के लिए विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 46 रन की पारी खेली। उनके अलावा कप्तान रोहित शर्मा ने 39 रन और शुभमन गिल ने 36 रन का योगदान दिया। इन तीनों के अलावा लोकेश राहुल ने आठ रन बनाए। वहीं यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज खाता भी नहीं खोल पाए। पहली पारी के आधार पर भारत को 98 रन की बढ़त मिली। दक्षिण अफ्रीका के लिए कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी और नांद्रे बर्गर ने तीन-तीन विकेट लिए।

पाकिस्तान ने पहली पारी में 313 रन बनाए, रिजवान- जमाल शतक से चूके

सिडनी । *विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (88), पुछल्ले बल्लेबाज आमेर जमाल (82) और आगा सलमान (53) के बेहतरीन अर्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान ने यहां सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के पहले दिन अपनी पहली पारी में 313 रन बनाए।दिन का खेल खत्म होने पर ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 6 रन बना लिये हैं। अपना आखिरी टेस्ट मैच खेल रहे डेविड वॉर्नर 6 रन और उस्मान ख्वाजा बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद हैं।मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही और केवल 96 रनों के कुल स्कोर पर अब्दुल्ला शफीक (00), सईम अयूब (00), बाबर आजम (26), सऊद शकील (05) और कप्तान शान मसूद (35) पवेलियन लौट गए।यहां से मोहम्मद रिजवान और आगा सलमान ने पारी को संभाला और छठे विकेट के लिए 94 रन जोड़े। इस दौरान रिजवान ने तेज पारी खेली और अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि वह 12 रन से शतक से चूक गए। 190 रनों के कुल स्कोर पर उन्हें पैट कमिंस ने पवेलियन भेजा। रिजवान ने 103 गेंदों पर 10 चौके और 2 छक्के की बदौलत 88 रन बनाए। इसके बाद 220 के कुल स्कोर पर साजिद खान 15 रन बनाकर पैट कमिंस की गेंद पर आउट हुए। 226 के कुल स्कोर पर आगा सलमान भी चलते बने, हालांकि उन्होंने 53 रनों की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली। 229 रनों के स्कोर पर हसन अली बिना खाता खोले पैट कमिंस के पांचवे शिकार बने। इसके बाद मीर हमजा और आमेर जमाल ने आखिरी विकेट के लिए 86 रन जोड़े। इन 86 रनों में जमाल के 82 रन थे। नाथन ल्योन ने जमाल को आउट कर पाकिस्तानी पारी का अंत किया। जमाल ने 82 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 9 चौके व 4 बेहतरीन छक्के लगाए। मीर हमजा 7 रन बनाकर नाबाद रहे, इस दौरान उन्होंने 43 गेंदो का सामना किया और 1 चौका लगाया।*

ब्लड प्रेशर से लेकर डायबिटीज रोगियों तक बढ़ती ठंडक पैदा कर सकती है गंभीर समस्याएं

जनवरी का महीना कड़ाके की सर्दी और घने कुहरे वाला होता है, पर इस बार अब तक अपेक्षाकृत ठंड कम है। हालांकि पूर्वानुमानों के मुताबिक आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट आ सकती है। सर्दियों का मौसम खान-पान और तमाम प्रकार के व्यंजनों के शौकीन लोगों के लिए काफी आनंददायक होता है, पर तापमान में गिरावट कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाली भी हो सकती है। हृदय रोगों से लेकर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, पाचन की समस्याओं और मानसिक स्वास्थ्य विकार वाले लोगों के लिए सर्दियों का मौसम काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लिहाजा ऐसे लोगों को सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है। ठंड के महीनों में सर्दी, फ्लू और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियां होना अधिक आम है। इसके अलावा इन दिनों में ब्लड प्रेशर की समस्या भी ज्यादा हो सकती है। आइए जानते हैं कि यह मौसम आपकी सेहत को किस प्रकार से प्रभावित करने वाला होता है? और बचाव के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए?तापमान में गिरावट के साथ सर्दी-जुकाम की समस्या होना काफी सामान्य है। ये अलग-अलग वायरस के कारण हो सकती है, राइनोवायरस सर्दी का सबसे आम कारण है। सर्दी के मौसम में सूर्य की रोशनी से मिलने वाले विटामिन डी का अवशोषण भी कम हो जाता है, इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है। ये आपको इन बीमारियों के प्रति और भी संवेदनशील बना देती है।सर्दी के दिनों में रक्तचाप बढ़ने की समस्या भी अधिक देखी जाती रही है, आमतौर पर सर्दियों में ब्लड प्रेशर अधिक और गर्मियों में लो होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कम तापमान के कारण रक्त वाहिकाएं अस्थायी रूप से संकीर्ण हो जाती हैं, इससे रक्तचाप बढ़ जाता है। संकुचित नसों और धमनियों के माध्यम से रक्त को प्रवाहित करने के लिए अधिक दबाव की आवश्यकता होती है, इसका हृदय की सेहत पर भी असर पड़ सकता है।सर्दियों का मौसम सिर्फ ब्लड प्रेशर ही नहीं, मधुमेह की समस्या वाले लोगों के लिए भी काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। डायबिटीज से पीड़ित कई लोगों में जैसे-जैसे तापमान गिरता है, रक्त शर्करा बढ़ जाती है। ठंडा तापमान आपके शरीर में तनाव बढ़ाता है जिसके प्रतिक्रिया में, आपका शरीर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन जारी करता है। ये हार्मोन इंसुलिन उत्पादन को कम करते हैं परिणामस्वरूप, आपके रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। ब्लड शुगर बढ़ने की स्थिति किडनी, लिवर, हार्ट जैसे अंगों के लिए भी समस्याकारक हो सकती है। इसे कंट्रोल में रखने के लिए शरीर को ठंड से बचाएं और दवाओं के साथ समय-समय पर डॉक्टरी सलाह लेते रहें।अस्थमा या सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए सर्दी का मौसम साल का सबसे कठिन समय हो सकता है। ठंडी, शुष्क हवा और मौसम में अचानक बदलाव से आपके वायुमार्ग में जलन की समस्या बढ़ने लगती है, जिससे अधिक बलगम पैदा होने लगता है। ये सांस की जटिलताओं को बढ़ाने वाली स्थिति हो सकती है, जिसके कारण अस्थमा के ट्रिगर होने या अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

पहला डीसीसीबीआई कप अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग टेस्ट मैच भारत ने एक पारी और 18 रन से ऐतिहासिक जीत दर्ज की

सतना के लाल ने किया कमाल ब्रजेश की कप्तानी मे भारत ने रचा इतिहास

सतना, आगरा उत्तर प्रदेश में दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आफ इंडिया के सानिध्य में 28 से 30 दिसंबर तक आयोजित हुए पहले दिव्यांग टेस्ट मैच में भारत ने नेपाल को पराजित कर टेस्ट मैच अपने नाम किया खास बात ये रही की आईआईटी इंदौर मे सीनियर असिस्टेंट के तौर पर पदस्थ, सतना के बृजेश द्विवेदी इस ऐतिहासिक टेस्ट मैच में कप्तान की भूमिका मे भारतीय टीम को एक पारी और 18 रन से विजय श्री दिलाई. नेपाल के कप्तान शुखलाल ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया, पहली पारी में नेपाल 29.02 गेंद मे 121 रन बना कर ऑल आउट हो गई . नेपाल की तरफ से सर्वाधिक रमजान अली ने 62 रन की पारी खेली .भारत की तरफ सर्वाधिक विकेट कैलाश प्रसाद ने 6 विकेट के रूप मे लिए और अभिनंदन उपाध्याय ने तीन विकेट लिए.उसके जवाब में भारत पहली पारी में 264 रन 8 विकेट के नुकसान पर परी की घोषणा की .भारत की ओर से शैयाद शाह अज़ीज़ ने 118, सूरज मनकेले ने 55, एवं अभिनंदन उपाध्याय ने 39 रन की मत्वपूर्ण पारी खेली. नेपाल की तरफ से दीपक खेडका ने चार विकेट और छबिलाल धोबी ने तीन विकेट लिए दूसरी पारी खेलने उतरी नेपाल टीम ने कप्तान ब्रजेश द्विवेदी की घातक गेंदबाजी के आगे 125 रन पर ऑल आउट हो गई कप्तान बृजेश के अलावा अभिनंदन ने 2, लव वर्मा एवं सैयद साहब अजीज ने एक विकेट लिया. इस प्रकार भारत ने इस ऐतिहासिक टेस्ट मैच को एक परी और 18 रन से जीता जीत के बाद ब्रजेश ने बताया की दिव्यांग क्रिकेट मे वो 23 वर्ष से खेल रहे है और यह पहला टेस्ट उनके जीवन की सब सब से बड़ी उपलवधि है उन्होंने ने यह जीत अपने देश, बोर्ड,अपनी संस्थान आईआईटी इंदौर एवं अपनी तीनो बहनो को समर्पित किया एवं कहा की मेरी संस्थान का अटूट सहयोग उन्हे प्रेरित करता है की आज 40 वर्ष का होने के बाबजूद मै खेल के साथ प्रदेश के 300 सौ दिव्यांग क्रिकेट खिलाडियो को खेलने के लिए प्रेरित कर रहा हु जोकी बिना सहयोग के संभव नही हो पाता मै अपने संस्थान एवं अपने सभी शुभ चिंतकों का आभार व्यक्त करता हु की उनकी हौसला अफ़ज़ाई और सहयोग ने मुझे देश का नेतृत्व करने का मौका मिला.

शहर में लगातार चौथे दिन दिखा घाटी सा नजारा

दिनभर छाया रहा कोहरा धूप को तरसे शहरवासी

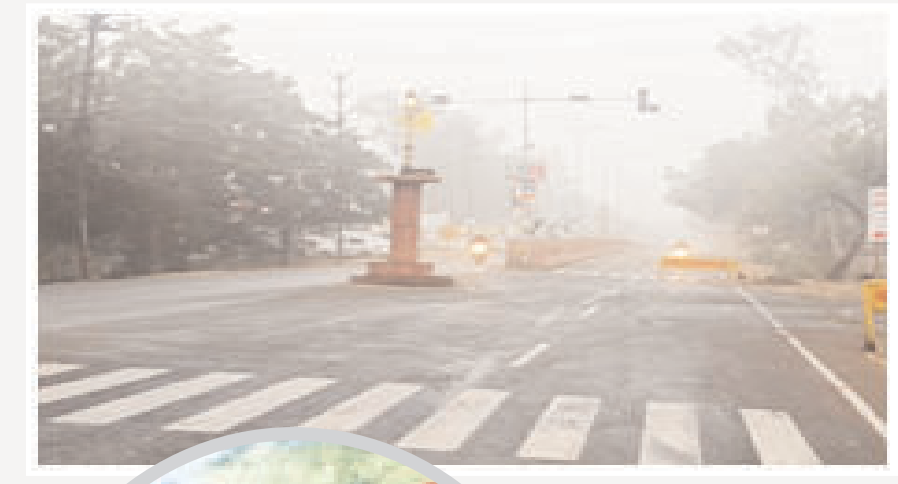

शाजापुर, मौसम के तेवर नर्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं। लगातार चौथे दिन भी दिन की शुरूआत घने कोहरे से हुई जिसकी विजिबिलिटी भी 50 से कम रही। इस कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यह हालात सुबह 9 बजे तक थे। लेकिन इसके बाद आसमान पर बादलों का डेरा रहने और सर्द हवाएं चलने के कारण सर्दी से भी लोगों को राहत नहीं मिल सकी। मौसम विभाग की माने तो आने वाले कुछ दिनों तक मौसम के यही हाल रहेंगे। इधर मौसम लगातार सर्द बना होने की वजह से बुधवार को भी लोगों को गर्म कपड़ों और अलाव के सहारे दिन गुजारना पड़ा। इस दिन भी कोहरा छाने और सर्द हवाओं की वजह से तापमान 24 डिग्री पर ही आकर रूक गया। तो न्यूनतम तापमान 13.9 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि आज से 10 जनवरी तक कहीं-कहीं हल्की वर्षा भी संभावित है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बलिकाओ के मध्य कलेक्टर ने अपने बेटीयों का मनाया जन्मदिवस

सतना, *सतना कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा हमेशा अपने कार्यप्रणाली और कार्यकुशलता सहजता एवं बेहतर शिक्षाप्रणाली को लेकर जिला को विकास दृष्टिगत की ओर अग्रसर होने के साथउन्होंने कुछ ऐसा ही कार्य अपने लक्ष्मी स्वरूप बेटियों के जन्मदिवस पर भी किया कलेक्टर अनुराग वर्मा कि प्यारी बेटियों रायसा और मायरा ने अपना जन्मदिन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत सशक्त वाहिनी द्वारा संचालित प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग ले रही बालिकाओं के बीच मनाया बेटियों के जन्म दिवस के शुभअवसर पर कलेक्टर दम्पत्ति ने प्रतियोगी बालिकाओं की सुविधा के लिए शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने हेतु ई लाईब्रेरी के संचालन हेतु दो सेट कम्प्यूटर और वाई फाई की सुविधा भेंट की एवं उनके बीच अपने बेटियों का जन्मदिवस मनाया साथ ही कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने समीप स्थित आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका को एमपीपीएससी 2019 की परीक्षा में उनकी बेटी नेहा प्रजापति के आबकारी उपनिरीक्षक के पद पर चयनित होने पर बधाई दी और सम्मानित किया इस मौके पर श्रीमती नेहा चौधरी वर्मा बाल कल्याण समिति अध्यक्ष श्रीमती राधा मिश्रा जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह सहायक संचालक श्याम किशोर द्विवेदी अमर सिंह भी उपस्थित रहे.*

राजस्थान का एक युवक गिरफ्तार, बड़ी संख्या में हथियार जब्त

जयपुर. श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को राजस्थान और हरियाणा के 31 ठिकानों पर छापेमारी की. इस दौरान राजस्थान के झुंझुनू निवासी एक युवक को गिरफ्तार कर बड़ी संख्या में हथियार बरामद किए गए हैं. गिरफ्तार युवक का गैंगस्टर रोहित गोदारा से भी कनेक्शन सामने आया है, जिसने कथित तौर पर सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड की साजिश रची है. एनआईए की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी गई है.

एनआईए की ओर से बुधवार शाम को जारी प्रेस बयान के अनुसार, एनआईए ने एक प्रमुख संदिग्ध, अशोक कुमार को गिरफ्तार किया गया है. उसके झुंझुनू स्थित एक ठिकाने से बड़ी संख्या में हथियार और कारतूस-मैगजीन बरामद किए गए हैं. प्रारंभिक पूछताछ में उसकी भूमिका इस मामले में संदिग्ध पाए जाने के बाद एनआईए ने उसे दबोच लिया है. सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के आरोपी और कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा से भी उसका संबंध होने की जानकारी एनआईए को मिली है. उसने ही कथित तौर पर शूटर नितिन फौजी और रोहित राठौड़ को सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के लिए उकसाया है. दो राज्यों में 31 ठिकानों पर छापेमारी ऩएनआईए ने हरियाणा और राजस्थान में 31 स्थानों पर छापेमारी की है. इस मामले में अब तक 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है. आठ आरोपियों को राजस्थान पुलिस ने पकड़कर एनआईए के हवाले किया था, जबकि अब एक आरोपी को एनआईए ने गिरफ्तार किया है. 5 दिसंबर को घर में घुसकर की थी वारदात ऊ5 दिसंबर 2023 को जयपुर (राजस्थान) में गोगामेड़ी के श्याम नगर स्थित आवास पर दिनदहाड़े हुई गोलीबारी में गोगामेड़ी सहित एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए, जबकि एक ने बाद में दम तोड़ दिया. इस संबंध में एनआईए ने एक प्राथमिकी दर्ज कर 11 दिसंबर को जांच राजस्थान पुलिस से अपने हाथ में ले ली थी. मोबाइल, सिम और डिजीटल उपकरण भी जब्त ऩएनआईए ने इस मामले में जांच करते हुए राजस्थान और पड़ोसी राज्य हरियाणा में छापेमारी की. इस दौरान राजस्थान में जयपुर, झुंझुनू, नागौर, डीडवाना, मकराना, सुजानगढ़ और टोंक में छापेमारी की गई. एनआईए की टीमों ने कई ठिकानों पर सघन तलाशी ली और बड़ी संख्या में पिस्तौल, कारतूस-मैगजीन, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और डीवीआर सहित डिजिटल उपकरण और वित्तीय लेनदेन संबंधी दस्तावेज भी जब्त किए हैं.

तीन वर्ष से एक स्थान पर पदस्थ अधिकारियों के 31 जनवरी के पहले होंगे तबादले

भोपाल, लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले ऐसे सभी अधिकारी हटाए जाएंगे, जिन्हें एक स्थान पर पदस्थ रहते तीन वर्ष हो चुके हैं। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने कलेक्टरों और गृह विभाग ने पुलिस मुख्यालय से रिपोर्ट मांगी है। इसमें अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जिला व जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, उप पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी, निरीक्षक स्तर के अधिकारी शामिल हैं ।चुनाव आयोग ने 31 जनवरी तक ऐसे सभी अधिकारियों को हटाकर प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए हैं। मार्च में लोकसभा चुनाव की घोषणा संभावित है। इसको लेकर राजनीतिक दलों के साथ-साथ चुनाव आयोग भी तैयारी में जुट गया है। 31 जनवरी तक ऐसे सभी अधिकारियों के तबादले किए जाएंगे, जिन्हें 30 जून, 2024 की स्थिति में एक स्थान पर पदस्थ रहते तीन वर्ष पूरे हो गए हैं या होने वाले हैं। इसकी परिधि में केवल चुनाव कार्य से सीधे तौर पर जुड़े अधिकारी ही आएंगे। इसके लिए मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को चुनाव आयोग निर्देश दे चुका है। समयसीमा में होने वाले इस कार्य के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी कलेक्टरों से कहा है कि वे अपने अधीनस्थ ऐसे अधिकारियों की सूची बनाकर भेजें ताकि उन्हें स्थानांतरित कर दूसरे अधिकारी पदस्थ किए जा सकें ।यही प्रक्रिया गृह विभाग भी अपना रहा है। राजस्व और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने भी ऐसे अधिकारियों की जानकारी मांगी है क्योंकि तहसीलदार, नायब तहसीलदार और जनपद पंचायत के अधिकारियों की चुनाव ड्यूटी लगाई जाती है।

रवि के साथ लूटपाट करते हुए मोनू और उसके दोस्त ने की थी मारपीट, आरोपी मोनू गिरफ्तार एक की तालाश जारी

कटनी, बाहर काम करना था और काम के लिए वापस जाना था पर किराए भाड़े के लिए पैसे ना होने पर दो युवकों ने पैसे के लिये लूटपाट और मारपीट करने की योजना बनाकर एक युवक के साथ योजनाबद्ध तरीके से मारपीट कर नगद व मोबाईल छुडाकर भाग गये ।घटना में गंभीर रूप से घायल को अधमरी हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहाँ पर से इलाज के लिये जबलपुर रिफर किया गया परंतु इलाज दौरान युवक की मृत्यु हो गई। पुलिस नें हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की पतासाजी के प्रयास शुरू किये जिसमें एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

20 दिसंबर 2023 को खिरहनी ओवर ब्रिज शनि मंदिर के पास रवि रैदास उर्फ लल्लू, पिता मेरू चौधरी उम्र 35 वर्ष निवासी सावरकर वार्ड खिरहनी फाटक घायल अवस्था में बेहोशी की हालत में मिला था. जिसे सिर चेहरे व अन्य जगह चोटें आई थी। परिजनों ने इलाज के लिये

शासकीय जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। हालत खराब होने पर मृतक रवि कों जिला चिकित्सालय कटनी से 27 दिसंबर 2023 को मेडिकल कालेज जबलपुर रेफर कर दिया गया जिसकी मेडिकल कॉलेज जबलपुर में इलाज के दौरान 28 दिसंबर 2023 को मृत्यु हो गई। पुलिस के द्वारा अप.क्र. 869/23 धारा 323,324 भादवि का अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

रवि की मौत के बाद गुस्साए परिजनों नें कोतवाली थाने के सामने प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। पुलिस नें प्रकरण में धारा 302 भादवि बढाई और आरोपियों की पतासाजी के प्रयास तेज किये। पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त मृत्यु के मामले को सुलझाने के लिए नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली को निर्देशित किया गया। नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमति ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली आशीष कुमार शर्मा द्वारा थाना स्तर अलग-अलग टीमें बनाकर घटनास्थल के मामले के हर बिन्दु पर गंभीरता पूर्वक विवेचना कर मामले खुलासा किया गया। आसपास के सी.सी.टी.व्ही कैमरों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया और आने जाने वाले व्यक्तियों से गहन पूछताछ की गई, जिससे संदेहियों के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई। जिसमें घटनास्थल के पास रहने वाले एक व्यक्ति द्वारा जानकारी में बताया गया कि 20-21 दिसंबर 2023 की रात्रि में दो लड़के गर्ग चौराहा तरफ से लाल रंग की आटो ई-रिक्शा लेकर आए और पैट्रोल पंप के सामने शनि मंदिर के पास बग्घी की आड़ में खड़े थे। शनि मंदिर की तरफ से निकल रहे रवि रैदास को लड़कों ने पकड़ लिया और झूमाझटकी करते हुए जबरदस्ती ई-रिक्शा में बैठाने लगे। मृतक रवि दोनों लड़कों को धक्का देकर शनि मंदिर की तरफ भागा। दोनों लड़के ने फिर रवि के साथ मारपीट की जिससे वह लड़का वही पर गिर गया। फिर दोनों लड़के आटो लेकर वहां से भाग गए।

सी.सी.टी.व्ही के आधार आरोपियों की सरगमी से की गई तलाश

चक्षुदर्शी द्वारा बताए अनुसार क्षेत्र में लगे सी.सी.टी.व्ही फुटेज एवं कंट्रोल रूम में लगे कैमरों का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया गया। जिसमें 2 लड़के घटना के समय घटनास्थल के आसपास लाल रंग के ई-रिक्शा से जाते हुए दिखाई दिए। सीसीटीव्ही फुटेज में दिखे आटो एवं आरोपियों के हुलिए के आधार पर रेल्वे स्टेशन, मुड़वारा स्टेशन, बस स्टेण्ड, सुभाष चौक में पूछताछ करने पर मोनू बर्मन व एक अन्य लड़के के घटना में शामिल होने के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। जिसकी सरगमी से तलाश किए जाने पर बैलट घाट के पास से ई-रिक्शा सहित पकड़ कर पूछताछ की गई। जिसने अपने एक अन्य साथी के साथ लूटपाट करते हुए मारपीट करना और घटना के बाद भाग जाना स्वीकार किया। आरोपी मोनू बर्मन पिता भीम बर्मन उम्र 24 वर्ष निवासी प्रेमनगर थाना एनकेजे को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी ने घटना के संबंध में पूछताछ करने पर बताया कि घटना में उसका दोस्त भी शामिल था।

योजनाबद्ध तरीके से मारपीट कर 650 के नगद मोबाईल छुडा लिए। मोबाईल व 550 रू लेकर दोस्त वापस काम पर चला गया है। घटना में शामिल अन्य आरोपी की गिरफ्तारी हेतु टीम रवाना की गई है। जिसकी शीघ्र गिरफ्तारी की जावेगी।

सिंगल कॉलम

मीरा देवी को मिला मोदी का लेटर गिफ्ट भी भेजा, अयोध्या में पिलाई थी चाय

नई दिल्ली: *प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले दिनों अपने अयोध्या दौरे में जिस महिला के घर गए थे, उन्हें पत्र लिखकर कहा कि उनका उज्ज्वला योजना का 10 करोड़वीं लाभार्थी बनना महज एक संख्या नहीं है बल्कि यह देश के लोगों के बड़े सपनों और संकल्पों की पूर्ति से जुड़ा है। सूत्रों ने बताया कि मोदी ने अयोध्या में मीरा मांझी के आवास पर चाय पी और उनके परिवार के लिए एक चाय सेट, रंगों के साथ एक ड्राइंग बुक सहित अन्य उपहार भी भेजे। पीएम मोदी ने मांझी परिवार के सदस्यों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी मांझी को लिखे अपने पत्र में मोदी ने उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को नववर्ष की शुभकामनाएं भी दीं। मोदी ने दो जनवरी को लिखे अपने पत्र में कहा, %%भगवान राम की पवित्र नगरी अयोध्या में आपसे और आपके परिवार के सदस्यों से मिलकर और आपके द्वारा तैयार चाय पीकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा, अयोध्या से आने के बाद मैंने कई टीवी चैनलों पर आपका साक्षात्कार देखा। आपके और आपके परिवार के सदस्यों के आत्मविश्वास और जिस सरल और आसान तरीके से आप सभी ने अपने अनुभव साझा किए, वह देखकर बहुत अच्छा लगा। प्रधानमंत्री ने कहा, आप जैसे मेरे परिवार के करोड़ों सदस्यों के चेहरे की यह मुस्कान मेरी पूंजी है, मेरी सबसे बड़ी संतुष्टि है, जो मुझे देश के लिए तन-मन से काम करने की नई ऊर्जा देती है। मोदी ने कहा कि मांझी का उज्ज्वला योजना का 10 करोड़वीं लाभार्थी बनना महज एक संख्या नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों लोगों के बड़े सपनों और संकल्पों की पूर्ति से जुड़ा है। उन्होंने कहा, %%मुझे पूर्ण विश्वास है कि अमृत काल में आपकी तरह आकांक्षाओं से परिपूर्ण, देश के करोड़ों लोगों की जीवटता एवं उत्साह भव्य और विकसित भारत के निर्माण के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मोदी अयोध्या में लता मंगेशकर चौक के पास मांझी के घर गए थे*

मोदी शनिवार को अयोध्या में लता मंगेशकर चौक के पास मांझी के घर गए थे। हवाई अड्डे, एक नए रेलवे स्टेशन और कई परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए मंदिरों के शहर में गए मोदी अचानक उस महिला के घर पर रुके, जिसे उज्ज्वला योजना की 10 करोड़वीं लाभार्थी होने का गौरव प्राप्त हुआ। यह योजना मई 2016 में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों से संबंधित महिलाओं को रसोई गैस कनेक्शन प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी।

रानी अवंती बाई लोधी और रानी दुर्गावती के सम्मान में पुरस्कार शुरू करने का निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक आयोजित

इंदौर 03 जनवरी 2024

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में जबलपुर के शक्ति भवन में मंत्रि-परिषद की बैठक आयोजित की गई। मंत्री परिषद द्वारा जनहित के विभिन्न निर्णय लिए गए। मंत्रि-परिषद ने वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी और रानी दुर्गावती को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके सम्मान में पुरस्कार शुरू करने का निर्णय लिया है। रानी अवंती बाई लोधी सम्मान और रानी दुर्गावती सम्मान हर वर्ष दिया जाएगा। विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष कर सफल होने वाली समाजसेवी महिलाओं को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। दोनों वीरांगनाओं को आदर्श मानते हुए उनके जीवन पर अध्ययन करने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए फेलोशिप शुरू की जाएगी। भावी पीढ़ी को रानी अवंती बाई लोधी और रानी दुर्गावती के आदर्श जीवन से परिचय कराने के लिए फिल्म बनाई जायेगी और साथ ही विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों के पाठ्यक्रम में प्रेरणादायी विषय शामिल किया जाएगा। रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू करने का निर्णय मंत्रि-परिषद ने श्रीअन्न के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू करने का निर्णय लिया है। योजना के अंतर्गत श्रीअन्न - कोदो-कुटकी, रागी, ज्वार, बाजरा आदि के उत्पादन करने वाले किसानों को प्रति किलो 10 रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि सीधे किसानों के खाते में अंतरित की जाएगी।

मध्यप्रदेश में कोदो- कुटकी की खेती मण्डला, डिण्डोरी, बालाघाट, छिन्दवाड़ा, अनूपपुर, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, सिवनी और बैतूल जिलों में होती है। कोदो-कुटकी के किसानों की आय में वृद्धि के लिए फसल उत्पादन, भण्डारण, प्रोसेसिंग, मार्केटिंग, उपार्जन, ब्राण्ड बिल्डिंग के साथ वैल्यू चेन विकसित करने के उद्देश्य से रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू की जा रही है।

रूस और यूक्रेन के बीच कैदियों का हुआ आदान-प्रदान, यूएई ने की मध्यस्थता

रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के बीच रूसी अधिकारियों ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात के माध्यम से कैदियों के रिहाई सुनिश्चित हो पाई है। यूक्रेन के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने 230 रूसी कैदियों को रिहा किया जबकि, रूसी अधिकारियों का दावा है कि बुधवार को 248 सैनिकों को कीव से वापस लाया गया है। इसके अलावा, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि हमारे 200 से अधिक सैनिक और नागरिक रूस की कैद से वापस आ गए हैं।भूकंप से गिरी इमारतों के मलबे में जिंदगी की तलाश जारी पश्चिमी जापान में आए शक्तिशाली भूकंपों में अब तक जहां 73 लोगों की मौत हो चुकी है वहीं ध्वस्त इमारतों में लोगों के फंसे होने की आशंका में बुधवार को बचावकर्मियों ने खोजी कुत्तों की मदद से तलाशी अभियान चलाया। सोमवार को इशिकावा प्रांत व आसपास के क्षेत्रों में आए 7.6 तीव्रता के भूकंप के दौरान और उसके बाद तक एक के बाद एक सैकड़ों झटकों से जान-माल को काफी नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों ने कहा, ऐसी आपदा में 72 घंटे बाद किसी के जीवित बचने की संभावना कम रह जाती है। उधर, पीएम फुमियो किशिदा ने कहा, 40 घंटे से ज्यादा का समय बीतने पर भी कई ?लोग ध्वस्त इमारतों के मलबे में दबे हैं इन्हें बचाना प्राथमिकता है। अब भारी बारिश-भूस्खलन का खतरा- मौसम विभाग के पूर्वानुमान में इशिकावा में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। इससे भूस्खलन होने की आशंका है। तापमान भी शून्य से नीचे पहुंच गया है। ऐसे में यहां एक और आफत आने को तैयार है। इस बीच, ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज ने कहा, जापान के लोगों के प्रति संवेदनाएं हैं। विमानों की टक्कर को लेकर दो अलग-अलग जांच शुरू- हानेडा हवाई अड्डे पर एक बड़े यात्री विमान और एक तटरक्षक विमान के रनवे पर टकराने से आग लगने और पांच की मौत के बाद बुधवार को परिवहन अधिकारियों और पुलिस ने अलग-अलग जांचें शुरू कीं। जांच का विषय जापान एयरलाइंस की उड़ान जेएएल-516 के उतरते वक्त बमवर्षक डैश-8 के उड़ान भरने की तैयारी है। दोनों पक्षों ने कहा कि उन्हें अधिकारियों की हरी झंडी मिल गई थी। सुरक्षा अधिकारी हवाई यातायात नियंत्रण अफसरों तथा विमानों के पायलटों में हुई बातचीत पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ताकि पता लग सके कि विमानों के टकराने की वजह क्या थी। जबकि पुलिस ने संभावित पेशेवर लापरवाही की जांच शुरू कर दी है। तटरक्षक विमान भूकंप पीड़ितों को राहत सामग्री पहुंचाने निगाटा जा रहा था। हमास नेता की हत्या के बाद युद्ध के भड़कने का डर, इस्राइली बमबारी तेज इस्राइली बलों द्वारा बेरूत में हमास के उप नेता सालेह अल-अरौरी की हत्या के

साथ इस्राइल-हमास युद्ध अब लेबनान तक फैल गया है। संघर्ष बढ़ने की आशंका में इस्राइल ने बुधवार को गाजा पट्टी पर बमबारी तेज कर दी और नागरिकों को फलस्तीनी के उत्तर में शरणार्थी शिविर अल-नुसीरात छोड़ने को कहा। उसने पर्चे गिराकर 7 जिलों से हटने का आदेश दिया। इस बीच, इस्राइल ने मंगलवार देर रात लेबनान की राजधानी में एक ड्रोन हमले में सालेह अल-अरौरी की हत्या की न तो पुष्टि की और न खंडन किया। लेकिन सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि इस्राइली सेना पूरी तरह तैयार है और किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। यह हत्या इस बात का स्पष्ट संकेत है कि इस्राइल-हमास के बीच करीब तीन माह से जारी युद्ध पूरे प्रायद्वीप में फैल रहा है। इसमें कब्जे वाला वेस्ट बैंक, लेबनान-इस्राइल सीमा पर हिजबुल्लाह सेना और यहां तक कि लाल सागर शिपिंग लेन भी शामिल है। अल-अरौरी (57), हमास का ऐसा पहला वरिष्ठ राजनीतिक नेता है जिसकी 7 अक्तूबर को शुरू हमलों के बाद हत्या की गई है। वह इस्राइली बंधकों की रिहाई और कतर व मिस्र द्वारा आयोजित वार्ता के केंद्र में भी थे। बलोच युवक की हत्या के विरुद्ध रैली में गए 44 कर्मी निलंबित बलोचों के इस्लामाबाद में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच बलूचिस्तान प्रांत की सरकार ने तुरबत और कोहलू में 44 सरकारी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। इनका दोष बालाच मोला बख्श की कथित हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और रैली में भाग लेना था। गए थे। उधर, कार्यवाहक पीएम द्वारा बलोच विरोध ?को गैर-जिम्मेदाराना बताने के बाद बुधवार को पाक बंद किया गया। पाकिस्तान में पैर पसारने में जुटा आईएस समूह = गृह मंत्रालय आतंकवाद की पनाहगाह के नाम से दुनियाभर में पहचाने जाने वाले पाकिस्तान को भी अब आईएस आतंकियों का डर सताने लगा है। पाकिस्तानी गृह मंत्रालय ने कहा कि खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के आदिवासी जिलों में बड़ी संख्या में तहरीक-ए-तालिबान आतंकियों की आमद देखी जा रही है। साथ ही आईएस भी देश में पैर जमाने की कोशिश में जुटा है। एआई उपकरण आईस्टार से बेहतर तरीके से दिखेंगी अदृश्य कैंसर कोशिकाएं नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरण से अन्य के मुकाबले बेहतर तरीके से कैंसर का पता लगाया जा सकेगा। अमेरिका की पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इनफरेंग सुपर-रिजॉल्यूशन टिशू आर्किटेक्चर (आईस्टार) नामक उपकरण तैयार किया है, जिससे कैंसर की अदृश्य कोशिकाओं को भी देखा जा सकता है। इमेजिंग तकनीक नेचर बायोटेक्नोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में डॉक्टरों ने बताया कि उपकरण से कैंसर सर्जरी के माध्यम से सुरक्षित मार्जिन हासिल किया जा सकता है।?शोधकर्ताओं ने कहा कि आईस्टार में 'टर्शरी लिम्फोइड स्ट्रक्चर' नामक महत्वपूर्ण एंटी-ट्यूमर प्रतिरक्षा संरचनाओं का स्वचालित रूप से पता लगाने की क्षमता है। इनकी उपस्थिति रोगी की इम्यूनोथेरेपी के लिए अनुकूल प्रतिक्रिया से संबंधित है।

विदेश मंत्री जयशंकर आज नेपाल दौरे पर जाएंगे संयुक्त आयोग की बैठक में होंगे शामिल

विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तार देने के उद्देश्य से आज से नेपाल की दो दिवसीय यात्रा करेंगे। इस दौरान वह नेपाल के विदेश मंत्री एनपी सऊद के साथ भारत-नेपाल संयुक्त आयोग की सातवीं बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। काठमांडू में चार और पांच जनवरी को होने वाली नेपाल-भारत संयुक्त आयोग की बैठक में दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे। गौरतलब है कि 2024 में उनकी यह पहली विदेश यात्रा हैं। नेपाल ने बैठक को लेकर जारी की प्रेस विज्ञप्ति नेपाल के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, दोनों नेता नेपाल-भारत संयुक्त आयोग में अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत बहादुर राय ने कहा कि संयुक्त आयोग की बैठक के दौरान नेपाल-भारत संबंधों के संपूर्ण पहलू की समीक्षा की जाएगी। अमृत बहादुर राय ने कहा कि ऊर्जा, व्यापार, बुनियादी ढांचे का विकास, बढ़ते व्यापार घाटे पर नेपाल की चिंता समेत कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। 1987 में हुई थी भारत-नेपाल संयुक्त आयोग की स्थापना नेपाल के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में अमृत बहादुर राय ने कहा कि यह द्विपक्षीय बैठक नेपाल-भारत संबंधों को मजबूत करने और साझेदारी पर केंद्रित होगी। गौरतलब हैं कि भारत-

नेपाल संयुक्त आयोग की स्थापना 1987 में की गई थी। यह दोनों पक्षों को द्विपक्षीय साझेदारी के सभी पहलुओं की समीक्षा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। नेपाल विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड से शिष्टाचार मुलाकात करेंगे। बता दें नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत नेपाल भारत का प्रमुख भागीदार है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, विदेश मंत्री की यात्रा दो करीबी और मैत्रीपूर्ण पड़ोसियों के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को ध्यान में रखते हुए है। दोनों देशों के नेताओं ने अक्सर सदियों पुराने रोटी बेटी रिश्ते पर ध्यान दिया है। नेपाल पांच भारतीय राज्यों - सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1,850 किमी से अधिक लंबी सीमा साझा करता है।

ब्रिटेन में भारतीय मूल के जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल कमेटी ने सरकार से बातचीत करने का किया आह्वान

ब्रिटेन में भारतीय मूल के जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं। ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन के जूनियर डॉक्टर कमेटी के सह अध्यक्ष डॉ विवेक त्रिवेदी ने बुधवार को यूके सरकार से हड़ताल कर रहे डॉक्टरों से बातचीत का आह्वान किया। बता दें ब्रिटेन के स्वास्थ्य सेवा इतिहास में यह सबसे लंबी हड़ताल मानी जा रही है। ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन (बीएमए) जूनियर डॉक्टर्स कमेटी के सह-अध्यक्ष डॉ विवेक त्रिवेदी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि ब्रिटेन के मंत्रियों को अच्छे वेतन प्रस्ताव के साथ आकर बातचीत करने की बात कही है ताकि वे हड़ताल वापस ले सकें। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) अस्पतालों में सेवाएं हजारों जूनियर डॉक्टरों या योग्य चिकित्सा पेशेवरों पर निर्भर हैं, जो महंगाई के अनुरूप बेहतर वेतन की मांग कर रहे हैं। त्रिवेदी ने बताया, %सरकार की ओर से कोई भी हमारे पास आ सकता है। उन्होंने आगे कहा कि अगर हमें लगता है कि यह प्रस्ताव विश्वसनीय है और यदि हम बातचीत फिर से शुरू कर सकते हैं और उस पर आगे बढ़ सकते हैं तो हम सप्ताह के बाकी दिनों के लिए अपनी हड़ताल की कार्रवाई रोक सकते हैं। पिछले महीने भी हुई थी बातचीत की कोशिश दरअसल, पिछले महीने जूनियर डॉक्टरों और यूके सरकार के बीच बातचीत टूट गई थी। कथित तौर पर उन्होंने पिछले साल अप्रैल में प्राप्त लगभग 9 प्रतिशत जूनियर डॉक्टरों के वेतन के अलावा 3 प्रतिशत की औसत वेतन वृद्धि की पेशकश को अस्वीकार कर दिया था। बीएमए 2008 से मुद्रास्फीति से कम वेतन वृद्धि के लिए अतिरिक्त 35 प्रतिशत की मांग कर रहा है। डॉ त्रिवेदी ने आगे बताया, हम रातों-रात किसी उत्थान या वेतन बहाली की मांग नहीं कर रहे हैं। हम यह भी नहीं कह रहे हैं कि यह एक वर्ष में ही हो जाए। हम उन सौदों को देखकर बहुत खुश हैं जो कई वर्षों तक चलेंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 3 प्रतिशत वेतन वृद्धि अभी भी कई डॉक्टरों के वेतन में कटौती के समान होगी। बातचीत से पहले हड़ताल लें वापस हालांकि, ब्रिटेन की स्वास्थ्य सचिव विक्टोरिया एटकिंस ने कहा कि बातचीत से पहले जूनियर डॉक्टरों को अपनी हड़ताल वापस लेनी होगी। सचिव ने आगे बोला, जनवरी आम तौर पर एनएचएस के लिए साल का सबसे व्यस्त समय होता है और इन हड़तालों का देश भर के मरीजों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। औद्योगिक कार्रवाई शुरू होने के बाद से 1.2 मिलियन से अधिक नियुक्तियां पहले ही पुनर्निर्धारित की जा चुकी हैं, जिनमें पिछले महीने की हड़ताल के दौरान 88,000 से अधिक नियुक्तियाँ भी शामिल हैं। एनएचएस ने मरीज़ों की सुरक्षा के लिए फिर से मजबूत आकस्मिक योजनाएँ बनाई हैं और यह महत्वपूर्ण है कि जिस किसी को भी चिकित्सा सहायता की आवश्यकता हो वह आगे आना जारी रखे।

युगांडा : नए साल की छुट्टियों के दौरान में सड़क दुर्घटनाओं में 26 की मौत, 62 घायल

कंपाला: युगांडा में 30 दिसंबर, 2023 से एक जनवरी, 2024 के बीच सड़क दुर्घटनाओं में 26 लोगों की मौत हो गई और 62 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक सरकारी प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। यातायात और सड़क सुरक्षा निदेशालय के जनसंपर्क अधिकारी माइकल कनानुरा ने एक बयान में कहा कि मरने वालों में सात मोटरसाइकिल सवार और चार यात्री, 13 पैदल यात्री, एक कार चालक और एक पैडल साइकिल चालक शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''हम सभी पैदल चलने वालों या इन सड़कों का उपयोग करने वाले लोगों से अधिक सतर्क रहने, मोटर चालकों द्वारा देखे जाने के लिए रात के दौरान चमकीले कपड़े पहनने, दाहिनी ओर चलने

और सड़क पार करने के लिए सुरक्षित स्थान ढूंढने का आग्रह करते हैं। पुलिस आंकड़ों के अनुसार, युगांडा में हर साल देशभर में करीब 20,000 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की जाती हैं, जिनमें 2,000 से अधिक मौतें होती हैं।

न्यू जर्सी में मस्जिद के बाहर ही मौलवी को अज्ञात ने मारी गोली

न्यू जर्सी के एक इमाम को मस्जिद के बाहर गोली मार दी गई थी, जिसकी बुधवार को मौत हो गई। यह स्पष्ट नहीं है कि गोलीबारी किस कारण से हुई, लेकिन राज्यपाल ने घरों की सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास करने का वादा किया। गवर्नर फिल मर्फी ने पीड़ित की पहचान इमाम हसन शरीफ के रूप में की है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि उन्हें किसने और क्यों गोली मारी। नेवार्क के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशक फ्रिट्ज फ्रैंगे ने एक बयान में कहा, मर्फी को मस्जिद-मुहम्मद-नेवार्क मस्जिद के बाहर सुबह 6 बजे गोली मारी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें तुरंत पास के यूनिवर्सिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत काफी गंभी बताई जा रही थी। घटना के घंटों बाद भी पुलिस की हिरासत में कोई नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि वारदात किस वजह से हुई और क्या वाकई में इमाम को निशाना बनाया गया था।नहीं हाथ लगी खास जानकारी फ्रैंगे ने कहा कि गोलीबारी की जांच चल रही है और कोई अन्य जानकारी उपलब्ध नहीं है। अधिक जानकारी मांगने वाला एक संदेश मस्जिद के पास छोड़ा गया था। वहीं, न्यू जर्सी में अमेरिकी-इस्लामिक संबंधों पर परिषद, देश का सबसे बड़ा मुस्लिम नागरिक अधिकार और वकालत संगठन, वर्तमान में जानकारी एकत्र कर रहा है।

मोसाद चीफ की प्रतिज्ञा, हमले में शामिल हमास के एक-एक आतंकी से बराबर करेंगे हिसाब

इस्राइल और हमास के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। इस बीच इस्राइल की खूफिया एजेंसी के प्रमुख ने कमस खाई कि वह हमले में शामिल हमास के एक-एक सदस्य से हिसाब बराबर करेंगे। बता दें, एक दिन पहले ही लेबनान में एक ड्रोन हमले में हमास के उप प्रमुख सालेह अल-अरौरी की मौत हो गई थी। इससे पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री भी कई बार हमास को पूरी तरीके से बर्बाद करने की कसम खा चुके हैं। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख डेविड बार्निया ने बुधवार को कहा कि इस्राइल पर हमला करने वाले हमास के प्रत्येक सदस्य से हिसाब बराबर किया जाएगा। मैं इसकी कसम खाता हूं। बता दें, लेबनान में हुए ड्रोन हमले की इस्राइल ने जिम्मेदारी ली है। ड्रोन हमले के बाद से 24 घंटे के अंदर हिजबुल्लाह ने नौ बार सीमा पार से इस्राइली सेना पर हमला किया। व्हाइट हाउस ने कहा- यह

इस्राइल का अधिकार इस्राइली हमले पर व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी का कहना है कि इस्राइल का अधिकार है कि वह हमास नेतृत्व का पीछा करे। इस्राइल में उत्पन्न खतरे का असल कारण हमास है। इसलिए यह इस्राइल का अधिकार और इस्राइल की जिम्मेदारी है कि वह खतरे को खत्म करे। हालांकि, उन्होंने कहा कि अमेरिका उम्मीद करता है कि इस्राइल अतंरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करेगा। वहीं, कनाडाई कानून के प्रोफेसर माइकल लिंक का कहना है कि ऐसी हत्याएं अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर सकती हैं। नेतन्याहू ने जान से मारने की दी थी धमकी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हमास की सैन्य शाखा के संस्थापकों में से एक सालेह अल-अरौरी ने वेस्ट बैंक में संगठन का नेतृत्व किया था। युद्ध शुरू होने से पहले ही इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। हिजबुल्लाह के नेता सैय्यद हसन नसरल्लाह ने कसम खाई है कि लेबनान में फलस्तीनी अधिकारियों को निशाना बनाने वाले इस्राइली हमले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हमास के अधिकारी बासेम नईम ने हमले के बाद अरौरी के मौत की पुष्टि की थी।

अमित शाह आज तुअर दाल खरीद पोर्टल करेंगे शुरू पंजीकरण और भुगतान प्रक्रिया हो जाएगी सरल

नई दिल्ली: सहकारिता मंत्री अमित शाह बृहस्पतिवार को तुअर दाल खरीद पोर्टल शुरू करेंगे। इस पर किसान जिंस बेचने के लिए खुद को पंजीकृत कर सकेंगे और सीधे अपने बैंक खातों में भुगतान प्राप्त कर सकेंगे। कई भाषाओं वाला यह पोर्टल महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, कर्नाटक और झारखंड में तुअर दाल उत्पादकों के लिए पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा, जिससे पंजीकरण, खरीद और भुगतान प्रक्रिया सरल हो जाएगी। यह पोर्टल राजधानी में 'दालों में आत्मनिर्भरता% विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में शुरू किया जाएगा। वर्तमान में, सरकार बफर भंडार बनाए रखने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) जैसी एजेंसियों के

माध्यम से तुअर दाल सहित विभिन्न प्रकार की दालों की खरीद करती है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, इस पहल का उद्देश्य नेफेड और एनसीसीएफ द्वारा खरीद, सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं और प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण के माध्यम से बेहतर कीमतों के साथ तुअर दाल उत्पादकों को सशक्त बनाना है। इससे घरेलू दालों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। इसमें कहा गया कि इस पहल के अंतर्गत पोर्टल पर पंजीकृत किसानों से बफर भंडार के लिए दालें खरीदी जाएंगी

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569